RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 22 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :37 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 19 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 स्कूलों को धमकियां सुरक्षा पर मंडराता खतरा

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 277 | गाजियाबाद, मंगलवार 22 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CBDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

घर खरीदारों से 'धोखाधड़ी' : ईडी ने 'रामप्रस्थ' के दो निदेशक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट कंपनी 'रामप्रस्थ ग्रुप' के प्रवर्तकों संदीप यादव और अरविंद वालिया को घर खरीदारों के साथ कथित तौर पर 1,100 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत सोमवार को गिरफ्तार किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने निदेशकों के परिसरों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कुछ अन्य परिसरों पर सुबह छापेमारी की जिसके बाद ये गिरफ्तारियां हुईं। दोनों रामप्रस्थ प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (आरपीडीपीएल) के निदेशक और अधिकतर शेयरों के धारक हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि आरपीडीपीएल ने प्रोजेक्ट एज, प्रोजेक्ट स्काईज, प्रोजेक्ट राइज और रामप्रस्थ सिटी (प्लॉट आधारित कॉलोनी परियोजना) जैसी विभिन्न आवास योजनाओं के लिए 2,000 से अधिक घर खरीदारों से लगभग 1,100 करोड़ रुपये एकत्र किए। सूत्रों ने बताया कि 15 से 20 साल बाद भी फ्लैट या भूखंड का कब्जा नहीं दिया गया है।

सदन में विपक्ष को नहीं बालेने दिया जाता : राहुल-प्रियंका

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव तथा पार्टी की लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया है कि सदन में सिर्फ सत्ता पक्ष के लोगों को बोलने दिया जाता है और विपक्ष के लोगों को बोलने से रोका जाता है। श्री गांधी ने सोमवार को यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सदन में सिर्फ सरकार के लोगों को बोलने दिया जाता है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने की इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा "मैं नेता विपक्ष हूं, सदन में बोलना मेरा हक है लेकिन मुझे भी बोलने नहीं देते हैं। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि अगर सरकार हर विषय पर बात करने को तैयार है तो चर्चा करे, लेकिन ये लोग नेता विपक्ष को बोलने नहीं देते।

जून में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 1.7 प्रतिशत बढ़ा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। रिफाइनरी, स्टील और सीमेंट उद्योगों के बेहतर प्रदर्शन के साथ देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन जून में साल दर साल आधार पर 1.7 प्रतिशत बढ़ा जो इस साल मार्च के बाद का उच्चतम शतर है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, जून 2024 के मुकाबले इस साल जून में रिफाइनरी, स्टील और सीमेंट उद्योगों में उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गयी जबकि बिजली, कच्चा तेल और गैस सहित पाँच उद्योगों का उत्पादन घटा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जून में रिफाइनरी उद्योग की उत्पादन वृद्धि दर 3.4 प्रतिशत, स्टील उद्योग की 9.3 प्रतिशत और सीमेंट उद्योग की 9.2 प्रतिशत रही। कोयला का उत्पादन सालाना आधार पर 6.8 प्रतिशत गिरा। इसी तरह, कच्चा तेल में 1.2 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस में 2.8 प्रतिशत, उर्वरक में 1.2 प्रतिशत और बिजली के उत्पादन में 2.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। चालू वित्त वर्ष में आठ प्रमुख उद्योगों की संयुक्त उत्पादन वृद्धि दर अप्रैल में एक प्रतिशत और मई में 1.2 प्रतिशत रही थी।

लोकसभा ने इसरो तथा सुभांशु शुक्ला को दी बधाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। लोकसभा ने मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की सफल यात्रा करने पर अंतरिक्ष यात्री सुभांशु शुक्ला तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बधाई दी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर सभी सदस्यों की तरफ से इसरो तथा श्री शुक्ला को बधाई दी और कहा कि सदस्यों की भावना के अनुरूप इस मुद्दे पर सदन में चर्चा भी करायी जायेगी।

कानूनी सलाह देने वाले वकीलों को तलब किए जाने पर कोर्ट ने कहा

ईडी सारी हदें पार कर रहा है

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तलब करने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि ईडी ''सारी हदें पार कर रहा है''। न्यायालय ने इस संबंध में दिशानिर्देश बनाने की जरूरत भी रेखांकित की।

प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी विधिक पेशे की स्वतंत्रता पर इस तरह की कार्रवाइयों के प्रभावों पर ध्यान देने के लिए अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए शुरू की गई एक सुनवाई के दौरान की।

न्यायालय की टिप्पणी ईडी द्वारा वरिष्ठ वकील अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किये जाने के बाद आयी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''अगर यह गलत भी है तब भी एक वकील और मुवक्किलों के बीच का संवाद विशेषाधिकार प्राप्त संवाद होता है और उनके खिलाफ नोटिस कैसे जारी किए जा सकते हैं? इस संबंध में दिशानिर्देश बनाए जाने चाहिए।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''वे (ईडी) सारी हदें पार कर रहे हैं।'' शीर्ष अदालत को यह बताया गया था कि वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार जैसे विधिक पेशेवरों को हाल में ईडी द्वारा नोटिस जारी किया गया और इससे कानून के पेशे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''इस संबंध में दिशानिर्देश तैयार किए जाने चाहिए।'' अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस मुद्दे को शीर्ष शतर पर उठाया गया है और जांच एजेंसी को वकीलों को कानूनी सलाह देने के लिए नोटिस जारी नहीं करने के लिए कहा गया है। वेंकटरमणी ने इससे पहले सुनवाई के आरंभ में कहा कि उन्होंने ईडी अधिकारियों से बात की है और वकीलों को समन भेजना गलत है। मेहता ने वेंटरमणी से सहमति जताते हुए कहा, ''वकीलों को कानूनी सलाह देने के लिए तलब नहीं किया जा सकता।'' हालांकि, मेहता ने कहा कि झूठे विमर्श गढ़कर संस्थानों को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने चीन और तुर्किये का उदाहरण देते हुए कहा, ''भारत को उन देशों की राह पर नहीं चलना चाहिए जिन्होंने कानूनी पेशे की स्वतंत्रता पर कुठाराघात किया है।''

उन्होंने कहा, ''तुर्किये में पूरी बार एसोसिएशन को भंग कर दिया गया था। चीन में भी ऐसा ही मामला हुआ है।'' वकीलों ने जोर देकर कहा कि वकीलों को खासकर विधि संबंधी राय देने के लिए तलब करना एक खतरनाक नजीर तय कर रहा है। एक वकील ने कहा, ''अगर यह जारी रहा तो यह वकीलों को ईमानदार और स्वतंत्र सलाह देने से रोकेगा।'' उन्होंने कहा कि जिला अदालतों के वकीलों को भी बेवजह परेशान किया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने इस पर कहा कि अदालत भी इस तरह की रिपोर्ट से हैरान है।

हालांकि, सॉलिसिटर जनरल ने मीडिया की खबरों के आधार पर राय बनाने के खिलाफ आगाह किया। उन्होंने कहा, ''जहां तक सामान्य टिप्पणियों का सवाल है, कभी-कभी उन्हें गलत समझा जाता है, जो अलग-अलग मामलों पर निर्भर करता है।

जज वर्मा के खिलाफ FIR संबंधी याचिका सूचीबद्ध करने से कोर्ट का इनकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने नकदी बरामदगी मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के अनुरोध वाली याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से सोमवार को इनकार कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ से वकील मैथ्यूज नेदुम्परा ने आग्रह किया कि इस मुद्दे पर यह उनकी तीसरी याचिका है और इसे तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

प्रधान न्यायाधीश ने पूछा, ''क्या आप चाहते हैं कि इसे अभी खारिज कर दिया जाए?'' उन्होंने कहा कि इसे उचित समय पर सूचीबद्ध किया जाएगा।वकील ने कहा, ''इसे खारिज करना संभव नहीं है। एक प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि 'वर्मा' भी यही चाहते हैं। एक प्राथमिकी और एक जांच होनी चाहिए।'' पीठ ने इस बात पर कड़ा संज्ञान लिया कि वकील ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को 'वर्मा' कहकर संबोधित किया था।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''क्या वह आपके दोश्त हैं? वह अब भी न्यायमूर्ति वर्मा ही हैं। आप उन्हें कैसे संबोधित कर रहे हैं? थोड़ी शालीनता बरतें। आप एक विद्वान न्यायाधीश की बात कर रहे हैं। वह अब भी न्यायालय के न्यायाधीश हैं।''

जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में स्वास्थ्य कारणों से अपने पद से तत्काल प्रभाव से इश्तीफा दे दिया।

श्री धनखड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को लिखे पत्र में कहा है कि वह चिकित्सकीय सलाह का पालन करते हुए स्वास्थ्य कारणों से अपने पद से तत्काल प्रभाव से इश्तीफा दे रहे हैं।

श्री धनखड़ ने पत्र में लिखा है , " स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए, मैं संविधान के अनुच्छेद 67(क) के अनुसार, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इश्तीफा देता हूँ।" उप राष्ट्रपति के कार्यालय ने श्री धनखड़ द्वारा राष्ट्रपति को लिखे पत्र को सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया है। उल्लेखनीय है कि श्री धनखड़ ने आज यानी सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही का संचालन किया था। उनका बुधवार को एक दिन के दौरे पर राजस्थान में जयपुर जाने के कार्यक्रम की भी आज ही घोषणा की गयी थी।

श्री धनखड़ ने पत्र में उप राष्ट्रपति के रूप में राष्ट्रपति के साथ सुखद कार्य अनुभव के लिए श्रीमती मुर्मु के प्रति आभार भी प्रकट किया। उन्होंने कहा , " मैं भारत की राष्ट्रपति के प्रति उनके अटूट सहयोग और मेरे कार्यकाल के दौरान हमारे बीच सुखद और अद्भुत कार्य संबंधों के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।"

उन्होंने प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि प्रधानमंत्री का सहयोग और समर्थन अमूल्य रहा और उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान बहुत कुछ सीखा।

श्री धनखड़ ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान वह भारत की उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति और अभूतपूर्व विकास के साक्षी बने।

उन्होंने कहा, " राष्ट्र के इतिहास के इस परिवर्तनकारी युग में सेवा करना मेरे लिए एक सच्चा सम्मान रहा है। इस प्रतिष्ठित पद से विदा लेते हुए, मुझे भारत के वैश्विक उत्थान और अभूतपूर्व उपलब्धियों पर गर्व है और इसके उज्ज्वल भविष्य में अटूट विश्वास है।"

उल्लेखनीय है कि श्री धनखड़ को इसी वर्ष मार्च में हृदय संबंधी समस्या के चलते एम्स में भर्ती कराया गया था जहां उपचार के दौरान उन्हें स्टेन्ट डाला गया था।

पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति के सामर्थ्य का रूप देखा : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की सेना ने आतंकियों के आकाओं के घर में जाकर जिस प्रकार का सफल अभियान चलाया उससे पूरी दुनिया ने देश की सैन्य शक्ति और सैन्य सामर्थ्य का रूप देखा है।

श्री मोदी ने मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले सोमवार को संसद परिसर में कहा कि मॉनसून नवीनता और नवसृजन का प्रतीक है, और अब तक जो खबरें मिली हैं, देश में मौसम बहुत ही अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है, कृषि को लाभदायक मौसम की खबरें हैं। बारिश किसानों की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और इतना ही नहीं हर परिवार की अर्थव्यवस्था में एक बहुत महत्वपूर्ण होती है। अब तक जो मुझे जानकारी दी गई है, उस हिसाब से पिछले 10 वर्ष में जो पानी का भंडार हुआ है इस बार वो करीब-करीब तीन गुना हुआ है, जिसका आने वाले दिनों में भी देश के अर्थतंत्र को बहुत लाभ होगा।

उन्होंने कहा, "यह मॉनसून सत्र राष्ट्र के लिए ये बहुत ही गौरवपूर्ण सत्र है। ये मानसून सत्र राष्ट्र के लिए एक अपने आप में विजयोत्सव का रूप है। और जब मैं कहता हूं कि ये सत्र राष्ट्र गौरव और विजयोत्सव का सत्र है, तो सबसे पहले तो मैं पहली बार इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भारत का तिरंगा झंडा वहां लहराना ये हर देशवासी के लिए गौरव के पल हैं।

देश में विज्ञान तकनीक के प्रति, नवाचार के प्रति, नया उमंग और उत्साह भरने वाली ये सफल यात्रा रही है। अब पूरा संसद, लोकसभा राज्यसभा दोनों सदन, देशवासी जिस गौरव का अनुभव कर रहे हैं, उसमें एक स्वर से जुड़ेंगे, एक स्वर से इसका यशगान होगा, जो भारत को अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाले जो भावी कार्यक्रम हैं, उनके लिए भी प्रेरक बनेगा, प्रोत्साहक बनेगा।"

प्रधानमंत्री ने कहा ये मॉनसून सत्र एक विजयोत्सव है। पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति का, भारत के सैन्य के सामर्थ्य का रूप देखा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, शत-प्रतिशत हासिल किया। आतंकियों के आकाओं के घर में जाकर के 22 मिनट के भीतर ऑपरेशन सिंदूर के तहत उसको जमींदोज कर दिया गया।

मैंने बिहार के एक कार्यक्रम में इसकी घोषणा की थी, जो हमारी सैन्यशक्ति ने बहुत ही कम समय में सिद्ध करके दिखा दिया। और इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का ये नया स्वरूप इस पर भी दुनिया बहुत आकर्षित हुई है।

इन दिनों विश्व के जिन-जिन लोगों से मिलना होता है तो, तो भारत के इस मेड इन इंडिया जो औजार तैयार हो रहे हैं, उसके प्रति दुनिया का आकर्षण बढ़ रहा है। मुझे विश्वास है कि जब सदन इस विजयोत्सव को एक स्वर में विजय के भाव से इस सत्र के दरमियान उन ओजस्वी-तेजस्वी भावनाओं को प्रकट करेगा, तो भारत की सैन्यशक्ति को बल मिलेगा, प्रोत्साहन मिलेगा, देशवासियों को प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने कहा, "ये दशक हम एक प्रकार से देख सकते हैं कि शांति और प्रगति कंधे से कंधा मिलाकर के आगे बढ़ने के कदम-कदम पर प्रगति का एहसास करते रहें हैं। देश कई प्रकार की हिंसक वारदातों का शिकार रहा है, लंबे अरसे तक शिकार रहा है, देश आजाद हुआ तब से हम इस समस्या को झेल रहे हैं।

चाहे आतंकवाद हो, नक्सलवाद हो, कोई प्रारंभ में शुरू हुआ होगा, कोई बाद में शुरू हुआ होगा, लेकिन आज नक्सलवाद, माओवाद का दायरा बहुत तेजी से सिकुड़ रहा है।

नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के संकल्प के साथ देश के सुरक्षा बल एक नए आत्मविश्वास से, तेज गति से सफलता की ओर कदम रख रहे हैं। और मैं गर्व से कह सकता हूं, देश में सैकड़ों जिले नक्सल की चपेट में से निकलकर के आज मुक्ति का सांस ले रहे हैं।

हमें गर्व है कि बम, बंदूक और पिश्तौल के सामने हमारे देश का संविधान जीत रहा है, हमारे देश का संविधान विजयी हो रहा है।

श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन ने राजस्थान हाई कोर्ट के सीजे पद की ली शपथ

✷ वेबवार्ता. जयपुर ✷

राजस्थान उच्च न्यायालय के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन ने सोमवार को यहां पद की शपथ ली।

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने राजभवन में आयोजित शपथग्रहण समारोह में अपराह्न चार बजे न्यायमूर्ति राजेन्द्रन को शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति राजेन्द्रन ने अंग्रेजी में शपथ ली। समारोह के प्रारम्भ में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यपाल से न्यायमूर्ति राजेन्द्रन को शपथ दिलवाने का आग्रह किया। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा जारी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति अधिसूचना एवं वारंट पढ़कर सुनाया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेमचंद बैरवा और मंत्रिमण्डल के कई सदस्य, जनप्रतिनिधि, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, अधिकारी, अधिवक्ता एवं न्यायमूर्ति राजेन्द्रन के परिजन मौजूद थे। न्यायमूर्ति राजेन्द्रन ने न्यायमूर्ति एम एम श्रीवाश्तव का स्थान लिया हैं। वह मद्रास उच्च न्यायालय से स्थानांतरित होकर आये हैं जबकि न्यायमूर्ति श्रीवाश्तव को मद्रास उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया हैं।

हाई कोर्ट ने मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी किया

✷ वेबवार्ता. बंबई ✷

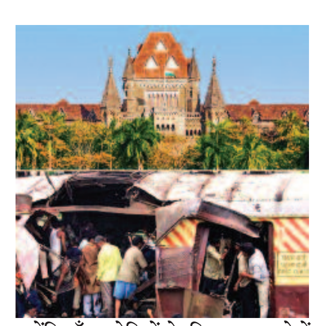

बंबई उच्च न्यायालय ने आज एक महत्वपूर्ण फैसले में 2006 मुंबई लोकल ट्रेन सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले के सभी 12 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया।

न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की एक विशेष पीठ ने अपने फैसले में कहा कि अदालत के सामने जो सुबूत रखे गए, वे आरोपियों का अपराध साबित करने में अपर्याप्त हैं। अदालत ने कहा कि 'यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने अपराध किया था।'

उच्च न्यायालय ने पाया कि अभियोजन पक्ष के दावे में कई बुनियादी खामियां हैं। पीठ ने अविश्वसनीय गवाहों, संदिग्ध पहचान परेड और यातना देकर इकबालिया बयान लेने के लिए भी जांच दल की आलोचना की। अदालत ने पाया कि इस्तेमाल हुए बम के ब्यौरे सहित दूसरे बुनियादी तथ्यों को भी स्थापित करने में एटीएस विफल रही है। गवाहों के बयानों और कथित बरामदगी का 'कोई साक्ष्य मूल्य नहीं' माना गया।

न्यायालय ने कहा कि जाँच एजेंसियाँ आरोपियों के खिलाफ आरोपों की पुष्टि के लिए कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहीं। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए, अब सभी आरोपियों को इस आधार पर बरी कर दिया है कि हमलों में उनकी संलिप्तता साबित करने के लिए जांच एजेंसियों के पास पर्याप्त सबूत नहीं हैं।

अदालत ने इस मामले में पाँच व्यक्तियों को मृत्युदंड और शेष सात को मिली आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर दिया। यह फैसला हादसे के 19 साल बाद आया।

यह भयावह घटना 11 जुलाई, 2006 को तब हुई थी, जब शाम के व्यश्त समय में मुंबई के उपनगरीय रेलवे नेटवर्क में पश्चिम रेलवे की ट्रेनों

मेटा और गूगल के अधिकारी ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए, 28 को फिर बुलाया गया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों मेटा और गूगल के अधिकारी सोमवार को निर्धारित समय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं हुए और अब उन्हें 'अवैध' ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ मंचों के प्रचार से जुड़े धन शोधन के एक मामले में 28 जुलाई को पेश होने के लिए नया समन जारी किया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। समझा जाता है कि दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने 21 जुलाई को पेश होने के लिए जारी समन को स्थगित करने का आग्रह किया था और कहा था कि संघीय जांच एजेंसी के समक्ष बयान दर्ज कराने के लिए उपस्थित होने से पहले उन्हें प्रासंगिक जानकारी और दश्तावेज एकत्र करने के लिए समय चाहिए।

सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों को एक सप्ताह का समय और दिया गया है तथा 28 जुलाई को पेश होने को कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि जब वे पेश होंगे तो धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके बयान दर्ज किए जाएंगे।

दोनों कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एजेंसी कई ऑनलाइन मंचों की जांच कर रही है, जहां अवैध सट्टेबाज़ी और जुए से जुड़े लिंक डाले गए थे। इनमें सोशल मीडिया मंच और ऐप स्टोर पर इन अवैध साइटों के विज्ञापन दिखाए जाने के मामले भी शामिल हैं।

पहलगाम, ऑपरेशन सिंदूर, ट्रम्प के बयान पर जवाब दें मोदी : खरगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद देश की एकता के लिए हर मोर्चे पर सरकार का समर्थन किया है और ये सारे मुद्दे देश को झकझोरने वाले हैं इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इन सवालों का संसद में जवाब देना चाहिए।

श्री खरगे ने कहा, "मैंने पहलगाम आतंकवादी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद की स्थिति पर नियमों के मुताबिक सदन में नोटिस दिया है। पहलगाम आतंकवादी हमला 22 अप्रैल को हुआ था और उसे अंजाम देने वाले आतंकवादी आज तक न पकड़े गए और न मारे गए। पहलगाम में चूक हुई है, इस बात को खुद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वीकार किया है। हमने देश में एकता रखने के लिए और सेना को मजबूती देने के लिए सरकार को बिना किसी शर्त के समर्थन दिया था।"

उन्होंने कहा कि पूरा देश सरकार से जानना चाहता है कि ऑपरेशन सिंदूर तथा इससे संबधित मुद्दे पर पूरी स्थिति क्या है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस), उप सेना प्रमुख और एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने कुछ खुलासे किए हैं। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर भी सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए क्योंकि उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि 24 बार दावा किया है कि उन्होंने सैन्य कार्रवाई को रुकवाया था। यह देश के लिए अपमानजनक बात है।

श्री खरगे ने कहा कि दो महीने पहले भी कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए ने विशेष सत्र की माँग की थी। अब जब हम मिल रहे हैं तो हम चाहते हैं कि पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, हमारी सुरक्षा चूकों और विदेश नीति पर दो दिन की बहस होनी चाहिए और प्रधानमंत्री को इसका जवाब देना चाहिए।

आरंभ में झूमे छात्र, आदित्य मिस्टर व नव्या बनी मिस फ्रेशर

✷ **एनसीआर टुडे. नई अलीगढ़** ✷। मंगलायतन विश्वविद्यालय के मंगलायतन आयुर्वेद एंड रिसर्च सेंटर में फ्रेशर्स के स्वागत के लिए 'आरंभ' फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई, जिससे परिसर में शुभता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। सीनियर विद्यार्थियों ने अपने जूनियर्स का पारंपरिक और गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की त्रिवेणी गीत, संगीत और नृत्य ने सबका मन मोह लिया। मंच पर प्रश्तुतियों ने माहौल को जीवंत और उत्साही बना दिया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने छात्रों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने विद्यार्थियों को नए सफर की शुभकामनाएं दीं। प्रिंसिपल डा. मनोज शर्मा ने डाक्टर बनने से पहले एक अच्छा इंसान बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मिस्टर फ्रेशर आदित्य सिंह व मिस फ्रेशर का खिताब नव्या अनंत को मिला। वहीं मिस्टर वेल ड्रेस शुभम गुप्ता व मिस वेल ड्रेस स्मृति चुनी गईं। खेल प्रतियोगिताओं में आदित्य सिंह व दिव्यांशु वर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में डा. अर्पित शाह, डा. अंकित लाकरा, डा. ऐश्वर्या बाबू, डा. प्रतिभा शामिल रहे। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में तुषार अहमद, आयुष साहू, मुस्कान तिवारी, शिवांगी सौदे, विदुषी श्रीवाश्तव, जाहिद खान का विशेष योगदान रहा। संचालन गौरव चैधरी, विवेक सारस्वत, अलवीरा सिद्दीकी, मुनीर अंजुम ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर डा. राजेश धाकड, डा. वेद प्रकाश, डा. हेमंत, डा. मनोज सहित संस्थान के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसएसपी ने खेरेश्वर मन्दिर एवं आस-पास के क्षेत्र का किया निरीक्षण

✷ **एनसीआर टुडे. नई अलीगढ़** ✷। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा ष्श्रावण मास में कावड़ियों व श्रद्धालुओं की सुविधाओं, कांवड़ यात्रा के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन" व मन्दिर में श्रद्धालुओं की भीड़-भाड़ के दृष्टिगत खेरेश्वर मन्दिर एवं आस-पास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। एसएसपी द्वारा निर्देशित किया गया कि मन्दिर के अन्दर भीड़ एकत्रित न होने दी जाए, श्रद्धालुओं को बेरिकेटिंग लगाकर कतार में दर्शन हेतु प्रवेश कराया जाय जिससे जलाभिषेक करने में कोई परेशानी न हो। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था हेतु पर्याप्त पुलिस प्रबन्ध किया जाए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी गभाना संजीव कुमार, थाना प्रभारी लोधा अंकित कुमार एवं अन्य मौजूद रहे।

भूमिया बाबा के दर्शन से मनोकामनाएं होती हैं पूरी

✷ **एनसीआर टुडे. नई अलीगढ़** ✷। गभाना तहसील के गांव कन्होई में स्थित भूमिया बाबा मंदिर में सावन के दूसरे सोमवार को भक्तों का तांता लगा रहा। सुबह से ही मंदिर में हजारों की संख्या में शिव भक्त पहुंच गए और लंबी लाइनें लगी रहीं। घंटों इंतजार के बाद भक्तों का नंबर आया और उन्होंने भगवान के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ मंदिर में अभिषेक किया और भगवान शिव के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने अपने परिवार के लिए मंगल कामना की। भगवान शिव के इस प्राचीन मंदिर की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है। लगभग 250 साल पुराने इस मंदिर में दूर-दूर से भक्त आते हैं और भोलेनाथ के दर्शन करते हैं। गभाना के भूमिया बाबा मंदिर का इतिहास काफी प्राचीन और निराला माना जाता है। यह मंदिर भोलेनाथ का अवतार माने जाने वाले भूमिया बाबा को समर्पित शिव मंदिर है। गांव कन्होई में भूमिया बाबा अपनी झोपड़ी में रहकर तपस्या करते थे, उन्हीं के नाम पर यह मंदिर है। मान्यता है कि अंग्रेज शासन काल के दौरान जब दिल्ली हावड़ा रेलवे ट्रैक का निर्माण हो रहा था तो इसे मंदिर के पास से गुजारा गया। भक्तों ने मंदिर के पास से रेलवे ट्रैक न ले जाने की मांग की, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। पटरी बिछने के बाद जब ट्रेन चली तो मंदिर के कुएं के पास आकर रुक गई और आगे नहीं बढ़ी। जब रेलवे अधिकारियों ने मंदिर में आस्था से पूजा की, इसके बाद ही ट्रेन चल सकी। मान्यता है कि भूमिया बाबा मंदिर में आने श्रद्धालु जो भी सच्चे हृदय से भगवान से प्रार्थना करते हैं, वह सारी मनोकामना जरूर पूरी होती है। ऐसे में भगवान शिव के भक्त विशेष अवसरों पर मंदिर में आकर दर्शन जरूर करते हैं। अलीगढ़ के साथ ही आसपास के जिलों से भी मंदिर में दर्शन करने के लिए शिव भक्त आते हैं।

अमरनाथ यात्राः तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर, एजेंसी।
अमरनाथ यात्रा को लेकर भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 18 दिनों में तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। 3 जुलाई से शुरू यात्रा 9 अगस्त को खत्म होगी। यात्रा में अभी 20 दिन बाकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि रविवार तक 3.07 लाख तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर लिए थे। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को भगवती नगर यात्री निवास से 3,791 यात्रियों का एक और जत्था कश्मीर घाटी के लिए दो काफिलों में रवाना हुआ। पहला काफिला 52 वाहनों के साथ 1,208 यात्रियों को लेकर सुबह 3:33 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए निकला। दूसरा काफिला 96 वाहनों के साथ 2,583 यात्रियों को लेकर सुबह 4:06 बजे पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जो श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अध्यक्ष भी हैं, ने रविवार को बालटाल आधार शिविर का दौरा किया। उपराज्यपाल ने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा के लिए अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बालटाल में एक लंगर (सामुदायिक रसोई) में यात्रियों के साथ दोपहर का भोजन किया। इस दौरान उपराज्यपाल ने यात्रियों से बातचीत भी की।

उपराज्यपाल ने यात्रा के लिए की गई सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी।

180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत बढ़ाने के लिए लाया गया है। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां लाई गई हैं। पूरे मार्ग को सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वाले लोग चंदनवाड़ी, शेषनाग और पंचतरणी से होकर गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं और 46 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करते हैं। तीर्थयात्रियों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं। वहीं, छोटे बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है और यात्रा पूरी करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौटना पड़ता है। सुरक्षा कारणों से इस वर्ष यात्रियों के लिए कोई हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं है। श्री अमरनाथ जी यात्रा भक्तों के लिए सबसे पवित्र धार्मिक तीर्थयात्राओं में से एक है, क्योंकि किंवदंती है कि भगवान शिव ने इस गुफा के अंदर माता पार्वती को शाश्वत जीवन और अमरता के रहस्य बताए थे।

नोएडा-दिल्ली बॉर्डर पर 3 दिन जाम झेलने को रहें तैयार

नोएडा, एजेंसी।
नोएडा होकर फरीदाबाद और दक्षिणी दिल्ली जाने वाले कांवड़ियों की संख्या बढ़ गई है। अगले तीन दिन तक इस संख्या में और इजाफा होगा। ऐसे में नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से दिल्ली आने-जाने वाले चालकों को जाम में फंसना पड़ सकता है, क्योंकि चिल्ला बॉर्डर और कालिंदी कुंज बॉर्डर पर वाहनों को रोक-रोककर चलाया जा रहा है।

दिल्ली से आकर कांवड़िये चिल्ला बॉर्डर से नोएडा के ओखला पक्षी विहार होकर कालिंदी कुंज से दिल्ली की तरफ निकलते हैं। शिवरात्रि पर 23 जुलाई को जलाभिषेक होगा। ऐसे में नोएडा होकर गुजरने वाले कांवड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों का मानना है कि अगले तीन दिन सबसे ज्यादा कांवड़िये यहां से होकर गुजरेंगे। इनमें पैदल के साथ-साथ डाक कांवड़ भी शामिल होंगी।

कांवड़ियों को सुरक्षित तरीके से सड़क पार कराने के लिए चिल्ला बॉर्डर पर एक शिफ्ट में चार पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। ये पुलिसकर्मी एक भी कांवड़िये के आने पर यातायात को रोक रहे हैं। इससे जाम की समस्या बढ़ रही है। सोमवार को सप्ताह का पहला दिन होने के कारण वाहनों का दबाव रहता है। इसके साथ ही कांवड़ियों की संख्या भी बढ़ेगी। ऐसे में अगले तीन दिन तक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे होकर कालिंदी कुंज और चिल्ला बॉर्डर होकर दिल्ली आने-जाने वालों को जाम में फंसना पड़ सकता है। ओखला पक्षी विहार रास्ते से 22 हजार कांवड़िये निकलते हैं।

इस बारे में डीसीपी ट्रैफिक लखन यादव का कहना है कि कांवड़ियों को सुरक्षित तरीके से सड़क पार कराने और नोएडा की सीमा के बाहर तक आराम से पहुंचाने के लिए अलग-अलग पॉइंट पर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। चिल्ला बॉर्डर पर अगले दो-तीन दिन वाहनों का ज्यादा दबाव रहेगा। कांवड़ियों की संख्या को देखते हुए सड़कों पर ट्रैफिक का काफी दबाव रहेगा। ऐसे में दिल्ली जाने के लिए डीएनडी का इस्तेमाल करेंगे तो अच्छा रहेगा। इस मार्ग के जरिये कांवड़िये अधिक संख्या से नहीं निकलते हैं।

लापता युवक का शव नाले में मिला परिवार ने जताई हत्या की आशंका

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

गोंडा थाना क्षेत्र के गांव लालगढ़ी में घर से दो दिन से गायब चल रहे युवक का शव गांव के पास ही एक नाले में पड़ा मिला।

आसपास से गुजरने वाले लोगों ने जब नाले में शव देखा तो वहां लोगों की भीड़ लग गई और इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्रिय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया गया।

जिसके बाद फारेंसिक विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और पुलिस मृतक की शिनाख्त में जुट गई। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर एक युवक के लापता होने की सूचना मिली। जिसके बाद पुलिस ने उसके परिवार जनों को सूचना दी।गांव लालगढ़ी निवासी 28 वर्षीय विष्णु शनिवार सुबह अपने घर से निकला था। उसके पिता कुंवरपाल ने बताया- हर दिन की तरह विष्णु घर से निकला था। इसलिए किसी ने ध्यान नहीं दिया। देर रात तक जब वह घर वापस नहीं लौटा तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। उन्होंने बताया- रविवार शाम तक उसका कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत की थी। पुलिस ने उन्हें नाले में शव मिलने की सूचना दी। जिसके बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर उसकी शिनाख्त कर ली है।

वहीं दूसरी ओर सोमवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया व शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के पिता कुंवरपाल ने बताया- उनकी बेटे की किसी से कोई रंजिश या इस तरह का मामला नहीं था। लेकिन उन्हें आशंका है कि किसी ने उनके बेटे की हत्या करके शव नाले में फेंक दिया है। उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

उत्तराखंड में अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण की तैयारी

देहरादून, एजेंसी।
सैनिक के रूप में देश की आन-बान-शान की रक्षा की जिम्मेदारी निभाने के बाद नागरिक जीवन में लौटने वाले पूर्व अग्निवीरों को उत्तराखंड में सरकारी सेवाओं में 10 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण मिल सकता है। अग्निवीरों के कल्याण और पुनर्वास के लिए उत्तराखंड सरकार विभिन्न विभागों की भर्तियों में क्षैतिज आरक्षण की सुविधा देने की तैयारी कर रही है। कार्मिक विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर विधायी विभाग को परामर्श के लिए भेज दिया है।

रविवार को कार्मिक विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हिन्दुस्तान को बताया कि आरक्षण प्रस्ताव पर पिछले कुछ समय से मंथन चल रहा था। विधायी परामर्श के बाद आरक्षण प्रस्ताव को कैबिनेट में मंजूरी के लिए जाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार अग्निवीरों को वर्दीधारी सेवाओं में आरक्षण देने की सिफारिश की गई है।

उत्तराखंड में पुलिस के साथ ही परिवहन, आबकारी, वन विभाग समेत कई विभाग हैं। अग्निवीर सेना से प्रशिक्षित होने की वजह से प्रवर्तन सेवाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले साल घोषणा की थी कि अग्निवीरों के सेवा पूरी करने के बाद उनके समायोजन, पुनर्वास के लिए ठोस व्यवस्था की जाएगी। इससे देश की सेवा के लिए समर्पित होने वाले नौजवानों को सेवा अवधि पूरी करने के बाद रोजगार, पुनर्वास के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद सरकार ने सैनिक कल्याण सचिव दीपेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था। यह कमेटी भी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप चुकी है। इसमें अग्निवीरों को सेना में सेवा की अवधि के वर्षों की संख्या के अनुसार सरकारी सेवाओं में अधिकतम आयु सीमा में छूट, सेवा से लौटने के बाद शैक्षिक योग्यता बढ़ाने के इच्छुक पूर्व अग्निवीरों को राज्य के शिक्षण संस्थानों की सीटों पर एक तय सीमा तक आरक्षण तथा राज्य की स्वरोजगार और ऋण योजनाओं में भी प्राथमिकता देने की सिफारिश की गई है। वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत भर्ती होने युवाओं को अग्निवीर नाम से जाना जाता है। यह सेवा चार साल की है।

DM की अध्यक्षता में मासिक विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, निर्माण कार्यों की प्रगति और विभागीय प्रदर्शन की समीक्षा की गई।

डीएम ने प्रदेश श्तर पर जारी विकास रैंकिंग में अलीगढ़ के प्रदर्शन को लेकर चिंता जताते हुए अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि जुलाई माह की रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा लापरवाही पर कार्रवाई तय है।

डीएम ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रश्ताव शासन को प्रेषित करने की पुष्टि की और पीओ नेडा को खराब स्ट्रीट लाइट्स की मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में अब तक 2144 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से अपने आवासों पर सौर संयंत्र स्थापित करने का भी निर्देश दिया, जिससे योजनाओं के प्रति जनता में विश्वास और सहभागिता बढ़े। छात्रवृत्ति योजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कहते हुए जिलाधिकारी ने प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित कुमार, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी निधि गोस्वामी व जिला विद्यालय निरीक्षक पूरन सिंह को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित न रहे, इसके लिए त्वरित बैठक कर कार्ययोजना बनाएं।

कृषि, बागवानी एवं ऊर्जा पर विशेष बल देते हुए जिला उद्यान अधिकारी द्वारा बताया गया कि 2 हेक्टेयर क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी बोआई का लक्ष्य पूर्ण हो गया है। डीएम ने उद्यान एवं कृषि विभाग को वर्ष भर की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। खराब ट्रांसफार्मर की समयबद्ध मरम्मत एवं निरंतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। मनरेगा व निर्माण कार्यों में गति लाने के निर्देश देते हुए मनरेगा के अंतर्गत गोंडा, टप्पल व चंडौस ब्लॉकों में मानव दिवस सृजन की स्थिति असंतोषजनक पाए जाने पर डीसी मनरेगा अनुज सक्सेना को निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में तालाब निर्माण कार्य प्रारंभ कराएं। ग्रामीण अभियंत्रण सेवा के अधिशासी अभियंता चन्द्रवीर सिंह को कार्यशैली में सुधार और भवन निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा गया। जल जीवन मिशन के अधिशासी अभियंता अतुल शर्मा को निर्देशित किया गया कि विद्यालयों, पंचायत भवनों, आंगनबाड़ी केंद्रों व जन आरोग्य मंदिरों पर प्राथमिकता से जल संयोजन कराएं और अधीनस्थों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करें। पर्यटन, पौधरोपण और नवाचार पर ध्यान देते हुए जिला पर्यटन अधिकारी अनुपम द्वारा बताया गया कि दो पर्यटन परियोजनाएं शीघ्र पूर्ण होने की स्थिति में हैं। डीएम ने निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत सभी रोपित पौधों की शत-प्रतिशत जियो टैगिंग कराने के निर्देश दिए गए, ताकि निगरानी एवं संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में सहायक निबंधक सहकारिता नागेन्द्र पाल सिंह की अनुपस्थिति पर उनका वेतन रोके जाने और स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। जिला प्रोबेशन अधिकारी अजीत कुमार के निरंतर अवकाश में रहने पर भी स्पष्टीकरण तलब किया गया। युवा और खेल विकास को प्रोत्साहन देते हुए डीएम ने जिला युवा कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि मनरेगा के माध्यम से गांवों में खेलकूद स्टेडियम की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि ग्रामीण युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़कर उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। नवीन सड़कों की समीक्षा में बताया गया कि 11 प्रश्तावित सड़कों में से केवल 3 पूर्ण, जबकि 8 अधूरी हैं। संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, कुसुम योजना, एनआरएलएम, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना, दुग्ध विकास, गौवंश संरक्षण, शादी अनुदान, मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, और टेल फीडिंग योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीरज त्यागी, जिला विकास अधिकारी आलोक आर्य, डीएफओ नवीन प्रकाश, पीडी भाल चंद्र त्रिपाठी, सीवीओ, डीआईओएस, लोनिवि, जल निगम, पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता, उप श्रमायुक्त, डीडी कृषि सहित समश्त विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छ सर्वे में घोटाला? हरियाणा के 87 निकायों ने घरों से कूड़ा उठाने की झूठी रिपोर्ट सौंपी

गुरुग्राम, एजेंसी।
स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत घरों से कूड़ा संग्रहण में एक बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। गुरुग्राम और मानेसर सहित राज्य की 87 निकायों पर यह आरोप लगा है कि उन्होंने अधिकारियों की मिलीभगत से पोर्टल पर घरों से 100 फीसदी कूड़ा उठाने का झूठा डेटा अपलोड किया और इसी आधार पर निजी एजेंसियों को करोड़ों रुपये का भुगतान कर दिया।

यह चौंकाने वाला खुलासा शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा भेजे गए एक नोटिस में हुआ है। इसने हरियाणा की स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियमों के अनुसार निजी एजेंसियों को अपने संसाधनों और कार्य की पूरी जानकारी शहरी स्थानीय निकाय विभाग के स्वच्छता पोर्टल पर अपलोड़ करनी होती है। इसी के आधार पर निकाय के नोडल अधिकारियों द्वारा निजी एजेसियों के बिलों का भुगतान किया गया। स्वच्छ सर्वेक्षण की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि राज्य के किसी भी निकाय में सौ फीसदी घरों से कूड़ा एकत्रित नहीं किया जा रहा है। रिपोर्ट के बाद अब पोर्टल पर अपलोड डेटा को पास करके निजी एजेंसियों को भुगतान करने वाले अधिकारियों पर अब सवालिया निशान लग रहा है। गुरुग्राम में जून 2024 से पहले ईको ग्रीन कंपनी द्वारा घरों से कूड़ा एकत्रित किया जाता था, जिसके एवज में निगम की तरफ से इस एजेंसी को हर माह चार करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता था। यही एजेंसी फरीदाबाद में भी घरों से कूड़ा उठाने का काम करती थी, लेकिन 14 जून को नगर निगम ने ईको ग्रीन कंपनी के करार को रद्द कर दिया था। इसके बाद यह काम गुरुग्राम में विमलराज एजेंसी को सौंपा गया। वहीं मानेसर नगर निगम में भी बड़ी लापरवाही सामने आई है। मानेसर निगम में बीते दो साल से घरों से कूड़ा उठाने का काम

किसी भी स्थायी एजेंसी को नहीं दिया गया था। ट्रैक्टरों से ही घरों से खानापूर्ति के लिए कूड़ा एकत्रित किया जा रहा था, लेकिन यहां भी निगम अधिकारियों ने मिलीभगत करके मानेसर निगम क्षेत्र में सौ फीसदी घरों से कूड़ा उठाने का काम पोर्टल पर चढ़ाकर एजेंसियों को करोड़ों का भुगतान कर दिया। अब इन भुगतानों पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। स्वच्छ सर्वेक्षण में अच्छी रैंकिंग पाने और निजी एजेंसियों को फायदा पहुंचाने के लिए नगर निगम अधिकारियों ने पोर्टल पर झूठी रिपोर्ट अपलोड कर दी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के परिणामों ने नगर निगम के अधिकारियों की इस झूठी रिपोर्ट का खुलासा भी कर दिया। इस मामले को लेकर शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारी भी चुप्पी साधे हुए हैं। इस मामले को लेकर शहरी स्थानीय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने इस मामले को लेकर कोई जवाब नहीं दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, 2023 के स्वच्छ सर्वेक्षण में गुरुग्राम को 85 फीसदी घरों से कूड़ा एकत्रित करने का डेटा दर्ज किया गया था, जो अपेक्षाकृत बेहतर था। इस दौरान ईको ग्रीन कंपनी द्वारा घरों से कूड़ा उठाने का काम किया जा रहा था। हालांकि 2024 की रिपोर्ट में यह आंकड़ा गिरकर मात्र 59 फीसदी रह गया है। इसका मतलब है कि एक साल के भीतर 26 फीसदी की भारी गिरावट आई है, जबकि इसी अवधि में शहर की सफाई व्यवस्था पर 80 करोड़ से अधिक रुपये खर्च किए गए। स्वच्छ सर्वेक्षण में झूठी रिपोर्ट देने वाले लापरवाह अधिकारियों पर शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने चार्जशीट के आदेश दिए हैं। वहीं, विभाग ने सभी निगम आयुक्तों, सचिवों और जिला निगम आयुक्तों को सख्त कार्रवाई के लिए निर्देश दिया है। निदेशालय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खराब प्रदर्शन करने वाली और गलत जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने वाली एजेंसियों पर भारी जुर्माना लगा कर रिकवरी की जाए।

ई रिक्शा चालक का घर में शव संदिग्ध अवस्था में मिला

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। ई रिक्शा चालक नईम (55) पुत्र मुश्ताक बाईपास रोड स्थित डूडा कालोनी के मकान नम्बर 16 में रहता था। जबकि उसके दोनों बेटे बाहर रहकर काम करते हैं और पत्नी व बेटी मौहल्ला नया बाजार में अन्य परिजनों के साथ रहती हैं। बताया जाता है कि वह रात्रि में अपनी रिक्शा जार्ज होने के लिए पास में ही स्थित कुट्टी मशीन परिसर में खडी कर देता था। दो दिनों तक जब वह ई रिक्शा लेने के लिए नहीं आया तो मशीन स्वामी रविवार की शाम करीब साढे सात बजे पता करने आया। देखा तो दरवाजा अंदर से बंद था तथा कमरे से बदबू आ रही थी। पड़ोसियों ने ताला तोड कर देखा तो उसकी चारपाई पर उसका शव पडा था। जिसमें से बदबू आ रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पड़ोसियों से जानकारी ली तो पता लगा कि पड़ोसियों ने उसे शुक्रवार को देखा था। परिजनों के कार्रवाई करने से इंकार करने पुलिस ने पंचनामा भर परिजनों को सौंप दिया। घटना से परिजनों में शोक व्याप्त हो गया।

कांवड़ियों से भरी पिकअप और बाइक की टक्कर में बुजुर्ग की मौत

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷। सड़क दुर्घटना में 75 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। रविवार की रात शेरकोट चुंगी पर हुए इस हादसे में मृतक की पहचान अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के मोहल्ला किला निवासी रामकुमार शर्मा के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब रामकुमार शर्मा बुलंदशहर से अपने घर अफजलगढ़ लौट रहे थे। शेरकोट चुंगी पर सामने से आ रही कांवड़ियों से भरी पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पिकअप चालक घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा हाइवे के वनवे होने के कारण हुआ।

विधायक, डीएम, एसपी ने कॉवड़ियों पर पुष्प वर्षा की

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। विधायक नहटौर श्री ओम कुमार, जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा तथा जिला अध्यक्ष भाजपा भूपेंद्र सिंह चौहान बॉबी द्वारा थाना मंडावली क्षेत्रान्तर्गत अन्तर्राज्यीय बॉर्डर एवं मोटा महादेव मंदिर प्रांगण में कांवड़ यात्रा में आए कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान डीएम व पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धालुओं से संवाद स्थापित कर उनका कुशलक्षेम जाना और यात्रा व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। तदुपरांत उनके द्वारा कांवड़ियों को खाद्य सामग्री (फल आदि) वितरित की गई। उनकी सुमंगली एवं सुरक्षित यात्रा पूर्ण होने की कामना की गई। जिलाधिकारी श्रीमती कौर एवं पुलिस अधीक्षक श्री झा द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर बेहतर सुविधाएं एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी प्रदान किए गए।

जहरीले कीड़े के काटने से बच्चों की मौत सुबह को अस्पताल में तोड़ा दम

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। क्षेत्र के गांव धुंधली में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। 12 वर्षीय यश कुमार को रात में सोते समय जहरीले कीड़े ने काट लिया। यश ने इसकी जानकारी अपनी मां को दी। परिजन पहले उसे फीना में झाड़-फूंक करवाने ले गए। वहां कोई सुधार नहीं हुआ तो नहटौर क्षेत्र के एक गांव ले गए। हालत बिगड़ती देख दोपहर में सीएचसी नहटौर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता का नाम जितेंद्र सिंह है। यश चार भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बच्चे की मौत से परिवार में शोक की लहर है।

95 साल के बुजुर्ग की मौत, परिवार बोला बीमारी से गई जान

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। देहात क्षेत्र रायपुर सादात के गांव शादीपुर में 95 वर्षीय मुखराम सिंह की मौत हो गई। मुखराम सिंह के परिवार का कहना है कि वह पिछले ढाई साल से बीमार चल रहे थे। मौत बीमारी के कारण हुई है। एक व्यक्ति ने मुखराम सिंह को जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया है। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। मृतक के पोते नितिन ने बताया कि घटना के समय घर में बच्चे की छठी का कार्यक्रम चल रहा था। सभी लोग कार्यक्रम की तैयारियों में व्यश्त थे। इसी दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने कहा कि अगर पोस्टमॉर्टम में जहर देने की पुष्टि नहीं होती है, तो झूठा आरोप लगाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस मुख्यालय के पास युवक से मोबाइल लूटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस मुख्यालय के पास युवक को धक्का देकर गिरा दिया और फिर मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पीड़ित ने शोर भी मचाया, लेकिन बदमाश हाथ नहीं आ सके। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर बदमाशों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है। राजनगर सेक्टर-एक की पीएटी कॉलोनी में रहने वाले प्रभाष कुमार का कहना है कि दो जुलाई की रात करीब पौने दस बजे वह खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से निकले थे। टहलते वक्त वह मोबाइल पर बात कर रहे थे। प्रभाष के मुताबिक वह जैसे ही पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय के पास स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के पास पहुंचे तो बाइक पर दो बदमाश आए और धक्का देकर उन्हें गिरा दिया। इसके बाद उनका मोबाइल लूटकर फरार हो गए। वारदात के बाद उन्होंने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वह हाथ नहीं आ सके। प्रभाष का कहना है कि उन्होंने घटना के संबंध में ऑनलाइन एफआईआर का आवेदन का किया था, वह रद्द हो गया। थक-हारकर उन्होंने 20 जुलाई को कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी भास्कर वर्मा का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

सांसद इमरान मसूद ने आत्मसमर्पण किया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने उन्हें 25 जुलाई तक अंतरिम जमानत दी है।

सांसद पर नगर पालिका परिषद सहारनपुर के खाते से गैरकानूनी तरीके से लाखों रुपये निकालने का आरोप है। ईडी कोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक, सांसद इमरान मसूद वर्ष 2007 में सहारनपुर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने सहयोगी के साथ मिलकर गैरकानूनी तरीके से नगर पालिका परिषद के खाते से करीब 40 लाख रुपये निकाल लिए थे।

नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी यशवंत सिंह ने इमरान मसूद के खिलाफ छह नवंबर 2007 को मुकदमा दर्ज कराया था।

पुलिस ने कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। कुछ दिन बाद ईडी ने इमरान मसूद के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद से वह अदालत में पेश नहीं हो रहे थे। अदालत से गैरजमानती वांरट जारी होने के बाद सोमवार को इमरान मसूद ने ईडी अदालत में पहुंचकर अत्मसपर्मण कर दिया। उनके वकील की ओर से जमानत देने की मांग की गई, जिसके बाद अदालत ने उन्हें 25 जुलाई तक अंतरिम दी। साथ ही, 25 जुलाई को अदालत में सुनवाई के लिए पेश होने के आदेश दिए।

चार बार जारी हो चुके थे गैरजमानती वांरट मामले की सुनवाई सीबीआई/ईडी कोर्ट में चल रही है। सांसद इमरान मसूद अदालत में हाजिर नहीं हो रहे थे। इस कारण अदालत चार बार उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर चुकी थी।

18 जुलाई को अदालत में हाजिर न होने पर उनके खिलाफ वारंट तामील करने गए सिपाही से पूछा था कि आखिर उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया।

भाईयों ने माता पिता को कावण मे बैठाकर कर यात्रा कराई

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

कलयुग में भी श्रवण कुमारों की कमी नहीं है। नहटौर में भी रविवार को एक ऐसा ही मामला देखने को मिला।

जब रामपुर के गांव पिपलिया मिश्र निवासी चार भाई नरेश वर्मा, प्रेम वर्मा, रमेश वर्मा व दिनेश वर्मा अपने माता पिता नत्थू लाल व माता नत्थो देवी को कांवड में बैठाकर नगर से गुजरे तो सभी की निगाहें उन पर टिक गई। सभी ने उनकी पितृ व मातृ भक्ति की सराहना की। पुत्र दिनेश वर्मा ने बताया कि चारों भाईयों की योजना बनी की कि माता पिता को कांवड में बैठाकर हरिद्वार की यात्रा कराई जाए। जिस पर अमल करते हुए ले 14 जुलाई को हरिद्वार पहुंचे तथा 15 जुलाई को माता पिता को कांवड में बैठाकर घर के लिए चल दिए। बताया कि वे हर रोज करीब बीस किलो मीटर की यात्रा करते हैं। उसके बाद कहीं रुककर आराम करते हैं। बताया कि उन्हें शिवरात्रि से पूर्व घर पहुंचना है और हरिद्वार से लाए गए चल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना है।

टेंट गोदाम में भीषण आग, शादी का सामान समेत लाखों का सामान राख, शॉर्ट सर्किट की आशंका

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

थाना क्षेत्र के साहनपुर में सोमवार सुबह करीब 4 बजे एक टेंट के गोदाम में आग लग गई। मोहल्ला जफरुशा जॉन निवासी रईस अहमद का यह गोदाम बिजली फीडर के पास स्थित है।

आग लगने की सूचना मिलते ही मालिक रईस अहमद मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया। दमकल विभाग को सूचित किया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आंख पर काबू पाया।

इस घटना में गोदाम में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। रईस अहमद ने बताया कि गोदाम में उनकी दो बेटियों की शादी का सामान भी रखा था। एक मोटरसाइकिल भी आग की चपेट में आ गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। नुकसान की सटीक राशि का आकलन किया जा रहा है। आग लगने के कारणों की जांच जारी है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का संभावित कारण माना जा रहा है। घटना की सूचना पर सहारनपुर चैयरमेन खुर्शीद मंसूरी और हल्का लेखपाल विजय चौधरी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मुरादाबाद मंडलीय गजेटियर के लेखकों का सम्मान

डीएम ने 13 साहित्यकारों और इतिहासकारों को किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने आज अपने कार्यालय में विशेष समारोह का आयोजन किया। इस दौरान मुरादाबाद मंडलीय गजेटियर लेखन समिति के 13 साहित्यकारों और इतिहासकारों को सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वालों में अशोक मधुप, डॉ निशांत यादव, चंद्रमणि रघुवंशी, इंजी हेमंत कुमार और डॉ महेंद्र सिंह त्यागी शामिल थे।

इसके अलावा चंद्रहास सिंह, स्वाती मिश्रा, वंदना कनौजिया, डॉ ऋचा शर्मा, आत्माराम, वीरेंद्र कुमार और मनोज कुमार यादव को भी सम्मानित किया गया। सभी को प्रशशित पत्र और अंग वस्त्र प्रदान किए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि मंडल आयुक्त आन्जनैय कुमार के मार्गदर्शन में मुरादाबाद मंडलीय गजेटियर के दो भाग प्रकाशित हुए हैं।

इन पुश्तकों में बिजनौर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, पौराणिक, धार्मिक और राजनीतिक विरासत का विश्तृत वितरण है। जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव ने गजेटियर टीम के कार्य की प्रशंसा की।

इसी दौरान कार्यक्रम में सह जिला विद्यालय निरीक्षक जितेंद्र कुमार और जीआईसी बिजनौर के प्रधानाचार्य धर्मवीर सिंह सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डॉक्टर निशांत कुमार यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। समारोह के दौरान डॉक्टर ऋचा शर्मा ने जिला अधिकारी को एक पेंटिंग भी भेंट की।

फल सब्जी मंडी में पालिका ने हटाया अतिक्रमण दुकानदारों को नोटिस

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नगर पालिका परिषद ने सोमवार को फल और सब्जी मंडी में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। नगर पालिका की टीम बुलडोजर और ट्रैक्टर-ट्राली लेकर मंडी पहुंची। टीम ने जेसीबी की मदद से सड़क पर किए गए अवैध निर्माण को तोड़ा और सामान जब्त किया।

नगर पालिका के अधिकारियों ने मंडी के दुकानदारों को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अवधि में अतिक्रमण नहीं हटाने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान मंडी में स्थिति तनावपूर्ण रही। आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।

दुकानदारों ने इस कारवाई विरोध किया है। उनका कहना है कि मंडी में उनकी दुकाने लगभग 100 साल पुरानी है। दुकानदारों का आरोप है की कार्रवाई चुनिंदा दुकानों पर की गई है। उनका मानना है कि यदि अतिक्रमण अवैध है तो सभी दुकानों पर सामान कार्रवाई होनी चाहिए। दुकानदार अपनी आजीवीका को लेकर चिंतित है।

मानव सेवा आश्रम लोक परलोक सुधार आध्यात्मिक सत्संग तीन दिवसीय सत्संग व प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

थाना क्षेत्र के ग्राम मथुरापुर उर्फ कालूवाला में कुशल पाल सिंह चौहान के निवास पर परम पूज्य संत सतगुरु संत श्री संजय जी महाराज का सत्संग 18 जुलाई 2025 से चल रहे सत्संग के कार्यक्रम का 21 जुलाई 2025 को सत्संग का समापन किया गया।

इस सत्संग के कार्यक्रम को सद्गुरु संत श्री संजय जी महाराज के द्वारा किया गया। मानव सेवा आश्रम लोक परलोक सुधार आध्यात्मिक सत्संग के सभी भक्तों द्वारा सतगुरु संत श्री संजय जी महाराज कुम्हार पुरा वाले गुरु जी का तीन दिवसीय सत्संग का कार्यक्रम किया गया।

सभी भक्तों को सद्‌गुरू संत श्री संजय जी महाराज की अमृतवाणी को ध्यानपूर्वक सुना गुरु जी ने बताया कि गुरु कैसा होना चाहिए गुरु के पांच विशेषताएं बताई।

जो गुरु किसी से दान चढ़ावा रुपया पैसा न लेता हो, जो गुरु बड़े-बड़े महल जैसे आश्रम लंका रूपी मठ आश्रम बनाकर न रहता हो, जिसने त्याग और तपस्या की हो जो गृहस्थी से दूर हो, जो किताब या किसी ग्रंथ का सहारा ना लेता हो, जो गुरु अपने भक्तों के घर-घर जाकर उनके सुख-दुख की खबर लेता हो, यह एक ऐसे गुरुजी हैं जिन्होंने अपना पूरा जीवन भक्तों के लिए समर्पित कर दिया। गुरुजी के प्रवचनों को बड़े ध्यान से सुना भक्तों ने गुरुजी के भजनों से सारे माहौल को गुरु में भक्त बना दिया उसके बाद हजारों गुरु भक्तों ने विशाल भंडारे में भोजन प्रसाद ग्रहण किया। तथा तीसरे दिन गुरु जी की मधुर अमृतवाणी और बीमार भक्तों के लिए दुआ परमहंस मुनि जी के द्वारा की गई जिससे भक्तों को बहुत ही आराम मिलता है तथा भोजन प्रसाद ग्रहण करने के बाद तीन दिन का कार्यक्रम संपन्न किया गया।

शिवभक्तों और कांवडियों पर हेलीकॉप्टर से डीएम और एडिशनल सीपी ने पुष्पवर्षा की

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कांवड़ मेला में सावन के दूसरे सोमवार को पुलिस और प्रशासन ने कांवड़ियों के अभिनंदन के लिए हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश की। दूधेश्वरनाथ मंदिर से लेकर कांवड़ मार्ग पर पुष्पवर्षा की गई। वहीं, दूसरे सोमवार को मंदिर में जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों की भारी भीड़ रही।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सोमवार को कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों का भव्य स्वागत किया गया। जिलाधिकारी दीपक मीणा एवं एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ने हेलीकॉप्टर से विभिन्न प्रमुख स्थलों पर शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की गई। यह पुष्पवर्षा दूधेश्वरनाथ मंदिर, मेरठ तिराहा, राजनगर एक्सटेंशन चौराहा, मननधाम मंदिर, दुहाई कट, मुरादनगर गंगनहर घाट एवं गंगनहर पटरी मार्ग सहित जनपद के प्रमुख कांवड़ मार्गों पर की गई।

इस दौरान आसमान से बरसते पुष्पों से अभिभूत होकर शिवभक्तों ने हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय कर दिया। कांवड़ मार्ग पर प्रशासन व्यवस्था को सुचारू एवं श्रद्धा से परिपूर्ण बनाने में लगातार जुटा हुआ है। पुष्पवर्षा से श्रद्धालु उत्साहित और जोश में दिखे।

56 व्यंजनों से भोले को भोग लगाया दूसरे सोमवार पर भगवान शिव को जलाभिषेक के लिए श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर के बाहर रविवार रात्रि 11 बजे से ही भक्तों की भीड़ लगने लगी थी। सुबह तक भक्तों की कतारें सराय नजर अली तक पहुंच गई। जलाभिषेक के लिए भक्तों को घंटों इंतजार करना पड़ा। रात्रि 12 बजे से भक्तों ने जल चढ़ाना शुरू किया। शिवभक्तों ने शिवलिंग पर जल, बेलपत्र, धतूरा और अन्य पूजन सामग्रियां अर्पित की और जलाभिषेक किया। मंदिर और बाहर हर महादेव के जयकारों से माहौल शिवमय हो गया।

तड़के 3.15 बजे महंत नारायण गिरि ने भगवान दूधेश्वर का भव्य श्रृंगार किया। प्राचीन देवी मंदिर दिल्ली गेट के महंत गिरिशानंद गिरि महाराज ने धूप आरती व दीप आरती की। भगवान को 56 व्यंजनों का भोग लगाया गया। शाम को विजय मित्तल ने महादेव का श्रृंगार किया और 108 व्यंजनों का भोग लगाया। काफी घूमकर शिवभक्तों की लाइन तक पहुंचे मंदिर पहुंचने के राश्ते बंद होने से सोमवार को श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

गौशाला चौकी से दूधेश्वरनाथ मंदिर की ओर जाने वाले राश्ते पर हल्के और भारी वाहन बंद होने से शिवभक्त को पैदल ही मंदिर तक जाना पड़ा। दोपहिया वाहनों को महिला अस्पताल के पास तक जाने की इजाजत दी गई थी। वहां से किसी भी श्रद्धालु को सीधे मंदिर नहीं जाने दिया गया।

बैरिकेड से शिवभक्तों को महिला अस्पताल से एमएमजी अस्पताल के पीछे के राश्ते से जलाभिषेक की लाइन तक जाना पड़ा। इसकी वजह से अस्पताल परिसर आम राश्ते में तब्दील हो गया। वहीं, सरायनजर अली और हापुड़ तिराहे की तरह से मंदिर की ओर केवल दोपहिया वाहनों को जाने दिया गया। इससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

शिवभक्तों पर की पुष्प वर्षा : सावन माह के दूसरे सोमवार को मोहन नगर चौराहे पर सिविल डिफेंस की टीम ने शिवभक्त कावड़ियों पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान सिविल डिफेंस टीम में उत्साह का माहौल रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल, एडीएम सिटी विकास कश्यप, एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव, जोनल प्रभारी आरपी सिंह, चीफ वार्डन ललित जायसवाल व एडीसी गुलाम नबी मौजूद रहे।

गांव बहादरपुर में देखा गया ड्रोन और संदिग्ध लोग

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

पुलिस हाईटेक हो रही है तो अपराधी भी पीछे नहीं हैं। वह भी चोरी के लिए ड्रोन का सहारा ले रहे हैं।रात को घरों के उपर ड्रोन उड़ा कर देख रहे हैं कि कोई जाग तो नहीं रहा।

हालांकि ग्रामीण पहरा दे रहे हैं, गांव बहादरपुर में ग्रामीणों ने ड्रोन को उड़ता देखा है। चोरों की ड्रोन वाली नई तरकीब पुलिस व ग्रामीणों को हैरत में डाल रही है। कई दिनों से क्षेत्र के दर्जनभर गांव में चोरों की दहशत है।

कई गांव में चोर देखे गए हैं तथा चोर किसी न किसी गांव में हर रात दश्तक दे रहे हैं। नतीजतन गांव के लोग छतों पर पहरा दे रहे हैं। युवकों की टोली भी गांव में गश्त कर रही हैं। रविवार को दिन ढलते ही गांव बहादरपुर में ड्रोन उड़ता दिखाई दिया। ड्रोन को देखकर ग्रामीण घरों से बाहर निकल आए इसी बीच गांव में एक महिला को घर के पास कुछ संदिग्ध लोग दिखाई दिए।

उन्हें देखकर महिला ने शोर मचा दिया। महिला का शोर सुनकर सैकड़ो ग्रामीण लाठी डंडे लेकर महिला के घर की ओर दौड़ पड़े। भीड़ को आता देख चोर मौके से फरार हो गए। इसके बाद ग्रामीणों ने उनकी काफी तलाश की लेकिन चोर फरार हो चुके थे। इसके बाद ग्रामीणों ने रात जागकर काटी।

इंटरनेशनल अवार्डी विपुल जैन ने भी लगाया एक पेड़ माँ के नाम

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत इंटरनेशनल अवार्डी विपुल जैन ने भी पौधा लगाया और अन्य लोगों को भी पेड़-पौधे लगाने के प्रति जागरूक किया।

इस मौके पर विपुल जैन ने कहा कि आजकल लोगों को लगता है कि ए सी, कूलर, पंखा आदि के सहारे जीवन कट रहा है, लेकिन यह हम सबकी भूल है। आने वाला समय बहुत भयावह होगा, जिसका अनुमान लगाना भी नामुकिन है। कहा कि बारिश के दिनों में सभी लोग अपने आसपास कम से कम दो पौधे जरूर लगे, क्योंकि वृक्ष ही जीवन है। सुप्रसिद्ध सोशल वर्कर प्राची चौहान ने कहा कि पर्यावरण का मानव जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है।

पेड़-पौधों से जहां हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन गैस मिलती है, वही पेड़ो से हमें फल, ईंधन, औषधि व अन्य कई चीजे प्राप्त होती हैं, जो मानव के लिए काफी उपयोगी है। इसलिए हमें पेड़ों का अवैध कटान रोकना चाहिए और अधिक से अधिक भू-भाग व खाली पड़ी जगहों पर पेड़ पौधे लगाने चाहिए, तभी पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है।

सामान खरीदने के विवाद में कांवड़िये को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर रेलवे स्टेशन के पास दुकान पर सामान खरीदने के विवाद में कांवड़यि से मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस जांच कर रही। दिल्ली के त्रिलोकपुरी कॉलोनी निवासी रिषभ ने बताया कि हरिद्वार से जल लेकर आ रहे थे।

रविवार रात को वह गंगाजल लेकर मोदीनगर पहुंचे और थाने के पास स्थित एक कांवड़ सेवा शिविर में ठहर गए। रात ग्यारह बजे के आसपास वह रेलवे स्टेशन के पास एक दुकान से सामान खरीद रहे थे। दुकान पर तीन-चार युवकों से उनका विवाद हो गया।

इस पर युवकों ने रिषभ की पिटाई कर दी। मारपीट के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने कांवड़िये को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

बाइक पर स्टंट करने से मना करने पर दंपति और बेटे के साथ मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की राहुल गार्डन कालोनी में शुक्रवार रात नौ बजे गली में बाइक से स्टंट करने से मना करना युवक को भारी पड़ा।

आरोप है कि बाइक सवार युवक और उसके तीन साथियों ने दंपति और उसके बेटे के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की हैं। राहुल गार्डर विशाल एनक्लेव निवासी मनीष कुमार शुक्रवार रात घर के बाहर गली में अपने मौसा के साथ खड़े थे।

इस दौरान अनुज मावी गली में बाइक चलाते हुए पर स्टंट कर रहा था। अचानक दोनों बाइक से टकराते हुए बचे। जिस पर उसने और मौसा ने युवक से सही से बाइक चलाने की बात कह दी। आरोप है कि युवक को यह बात नागवार गुजरी और उसने मौके पर तीन दोश्त सोहनपाल, विशाल और दीपक को बुला लिया। इस दौरान मौसा वहां से चले गये। तो चारों ने मिलकर उनके व माता अनीता और पिता अनिल के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। मारपीट करने के बाद चारों मौके से भाग गये।

मारपीट में दंपति को पेट व सिर में गंभीर चोट आई हैं। पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले में कार्रवाई की जा रही हैं।

संपादकीय

संसद का मानसून सत्र हंगामेंदार होने की उम्मीदें

संसद का यह मानसून सत्र हंगामेंदार होने की उम्मीदें है। संसद का वर्तमान मानसून सत्र में विपक्षी पार्टियों ने सरकार को 4 ज्वलंत मुद्दों पर घरने का प्रयास करेगी। आप को बता दें कि जम्मू कश्मीर में हुए पहलगाम हमले व ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला संसद सत्र है। मानसुन सत्र से पहले केन्द्र सरकार ने इस संदर्भ में रविवार की सुबह नई दिल्ली स्थिति संसद परिसर स्थित एन्जसी में सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।

इस बैठक में कई दलों के नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक के विभिन्न राज नीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अनुसार संसद का वर्त्तमान सत्र के दौरान विपक्षी दलों द्वारा जम्मू कश्मीर में हुए हमले ऑपरेशन सिंदूर, मतदाता सुची में सुधार व वक्फ बिल अंहम जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। सर्वविदित रहें कि संसद का यह सत्र 21जुलाई 25 से 21अगश्त 25 तक चलेगा। वहीं स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 13और14अगश्त को संसद की बैठक नहीं होगी। संसद के वर्तमान मानसून सत्र में विपक्ष दल द्वारा कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है।

विपक्ष इन सभी मुद्दों को सदन के पटल पर उठाने की योजना बना रहा है। सर्वविदित रहें कि विगत दिनों 24 पार्टियों ने एक-साथ बैठक की थी, जिसमें4 बड़े मुद्दों को फैसला किया गया है। इनमें पहलगाम हमले में हुई सुरक्षा चूक, ऑपरेशन सिंदूर में, विदेश नीति की नाकामयाबी, बिहार चुनाव से पहले मतदाता सूची में बदलाव व जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने जैसे मुद्दे शामिल हैं।

इस मानसून सत्र के दौरान केंद्र सरकार कई बड़े बिल पेश करने और कुछ अंहम बिल पास करवाने की तैयारी में है। लोकसभा में मणिपुर माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025 जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय प्रबंधनसंस्थान(संशोधन)विधेयक 2025, कराधान कानून(संशोधन) विधेयक 2025, विरासत स्थल और भू- अवशेष(संरक्षण और रखरखाव) विधेयक 2025, खान और खनिज (विकास और विनियमन)संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 प्रमुख है।

भारतीय राजनीति पर विशेष नजर रखने वाले राजनीति पंडितयों का मानना है। संसद का यह मानुसन सत्र हंगामेदार होने वाली है। विपक्षी दलों के सांसद द्वारा सभी पार्टी के नेता राष्ट्रीय व क्षेत्रीय समस्यायें के मुद्धा बनाने सरकार को घरने का भरसक प्रयास करेगी। वही भाजपा व उसके सहयोगी दल विपक्ष को करारा जबाब देने का मन बनाया है।

रविवार की सुबह संसद के मानसून सत्र के केन्द्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, पहलगाम आतंक वादी हमले सहित विभिन्न मुद्दों को उठाए जाने की संभावना है। इस संदर्भ में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा, 'इस सत्र में हम जिन मुद्दों को महत्वपूर्ण मानते हैं, उनमें पहलगाम भी शामिल है। हमारी सीमाओं पर संघर्ष खास कर उन देशों के साथ जो दो मोर्चों पर एक साथ आ रहे हैं।

'आज बिहार में मतदाता सुची में विशेष गहन पुन निरीक्षण से जुड़ी चिंताओं विपक्ष की है। इन सभीअंहम मुद्दों पर, सरकार के मुखिया होने के नाते, प्रधानमंत्री का यह कर्तव्य व नैतिक दायित्व है कि वे संसद के गलियारों के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करें। मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अपना नैतिक और नैतिक कर्तव्य निभाएँगे। 'राज्यसभा में आप के सांसद संजय सिंह का कहना है कि संसद में उठाए जाने वाले मुद्दे व रण नीति तैयार हैं। पीएम मोदी से इन मुद्दों पर जवाब देने के लिए संसद में मौजूद रहने की मांग की है।

संजय सिंह ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सीजफायर पर किए गए दावे, ऑपरेशन सिंदूर और बिहार में एसआईआर जैसे अंहम मुद्दे हैं, जो संसद के भीतर उठाए जाएंगे। पहला सवाल देश की सुरक्षा से जुड़ा है। जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने व्यापार समझौते के नाम पर युद्ध विराम कराया है, उस पर भारत सरकार को स्पष्टीकरण स्वंय प्रधान मंत्री को संसद मे स्वयं आकर इस पर बयान देना चाहिए। वे 5 विमानों को भी गिराए जाने की बात बोल रहे हैं, यह उनका काम नहीं है।

उन्होंने कहा कि मैं संसद के भीतर यह मुद्दा उठाउंगा। आज दिल्ली में बुलडोजर कार्रवाई हो रही है। प्रधानमंत्री के गारंटी कार्ड देने के बाद यूपी, बिहार और पूर्वांचल के लोग जो छोटी दुकानें और ठेले लगाकर अपना जीवन बिताते हैं, उन्हें उजाड़ दिया गया है। हम राष्ट्रीय मुद्दों के साथ ही दिल्ली के भी प्रमुख मुद्दों को उठाएंगे। उन्होंने व्यापार समझौते को बातचीत का कार्ड बनाकर युद्ध विराम करवाया। सरकार को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। '

बिहार में सर, यह कवायद बंद होनी चाहिए चुनावी घोटाला चल रहा है...अगर सरकार जवाब नहीं देती है, तो हम सदन के अंदर और बाहर सवाल उठाएँगे...'आज की इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया, जहां सरकार का प्रतिनिधित्व संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और उनके कनिष्ठ मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया। कांग्रेस के गौरव गोगोई और जयराम रमेश, एनसीपी- शरद पवार की सुप्रिया सुले, डीएमके के टीआर बालू और आरपीआई (ए) नेता केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले के सभी राजनीतिक दलो के नेता शामिल हुए । असली तस्वीरें तो संसद के अन्दर देखने को मिलेगी।

जब सता पक्ष - विपक्ष आमने -समानें सदन के पटल पर अपनी बातें रखेगी। भारतीय संसदीय के इतिहास इस बात का साक्षी है। हमारे संविधान निर्माताओं नें विद्यायी शक्तियों के लिए कानुन बनाने ' जनता के हितो के कल्याण व हितों के रक्षा लिए प्रावधान किया है। संसद का सत्र चलाने जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे को खर्च किया जाता है।

संसद का सत्र जनता के हितो को स्वस्थ चर्चा व कानून व्यवस्था पर जन प्रतिनिधियों के लिए सुदृढ निर्णय लेने के लिए किया लेकिन जनता के प्रतिनिधि के जब संसद के मंदिर में अपने पार्टी व नीजी स्वार्थो से उपर उठकर जनता व जन मानस की समस्याओं के निराकरण हेतु स्वस्थ्य चर्चा व जन हित में फैसले लेगें।

स्कूलों को धमकियां: सुरक्षा पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 45 स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी बेहद गंभीर और चिंताजनक है। चूंकि ऐसी धमकियां लगातार आ रही हैं, इसलिए हमारे सुरक्षा तंत्र को बहुत सजग हो जाना चाहिए। यह पुलिस एवं प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती एवं गंभीर प्रश्न है, क्योंकि बीते कुछ ही दिनों में करीब चार बार ऐसी धमकियों के ई-मेल अथवा फोन से डराने एवं धमकाने वाले सन्देश मिले हैं।

इसी बुधवार को ही सात स्कूलों को विस्फोट की धमकी मिली थी। अगर यह किसी की सोचा-समझी साजिश है तो बहुत गंभीर है। किसी की शरारत भी है, तब भी अक्षम्य अपराध है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में स्कूलों को उड़ाने की मिल रही ऐसी धमकियां न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि यह हमारे भविष्य, यानी बच्चों की मानसिक शांति और शिक्षा के अधिकार पर भी गहरा आघात है। कई बार ये धमकियां फर्जी साबित हुईं, लेकिन हर बार छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में भारी दहशत का माहौल बना, जिससे न केवल शिक्षण प्रभावित हुआ बल्कि प्रशासन की सजगता और तत्परता भी सवालों के घेरे में आ गई। मई 2024 में एक ही दिन में दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं थी। राजधानी के प्रतिष्ठित स्कूलों जैसे पश्चिम विहार इलाके में रिचमंड ग्लोबल स्कूल और रोहिणी सेक्टर-3 स्थित अभिनव पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें तीन कॉलेज शामिल हैं। डीपीएस, मदर्स इन्टरनेशनल, संस्कृति स्कूल आदि प्रतिष्ठित स्कूलों को इस भयावह चक्रव्यूह में शामिल किया गया है।

ताजा धमकियों में हो सकता है, जांच में कुछ भी चिंताजनक न मिले, पर ऐसी धमकी से तात्कालिक रूप से जो तनाव पैदा होता है, उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ई-मेल से दी गई धमकी की जो भाषा है, उस पर अवश्य गौर करना चाहिए। पुलिस और प्रशासन की तत्काल प्रतिक्रिया एवं सतर्कता के चलते सुरक्षा के कदम उठाते हुए स्कूलों को खाली कराया गया, बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और बम निरोधक दश्ता, डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। हालांकि बाद में अधिकतर धमकियां फर्जी ही पाई गईं, लेकिन जिस प्रकार बार-बार ये घटनाएं हो रही हैं, वह एक सुनियोजित मानसिक आतंकवाद की ओर इशारा करती हैं। इसमें मुख्यतः साइबर सुरक्षा में चूक भी दिख रही है।

इन डराने एवं खौफ पैदा करने वाली घटनाओं की अभी तक की जांच में पुलिस ने पाया है कि ये सभी धमकी भरे संदेश फर्जी हैं। फर्जी होने के बावजूद जांच को एक पुख्ता एवं सटीक समाधान तक पहुंचाना चाहिए। कौन अपराधी है, जो ऐसी धमकियां दे रहा है? अगर वह कोई बिगड़ैल बच्चा भी है, तो उसे इलाज की जरूरत है। वैसे इतने सुनियोजित तरीके की भेजी जा रही धमकियां किसी बिगडैल एवं शरारती बच्चे की नहीं हो सकती, जरूर इसके पीछे किसी बड़े षडयंत्रधारी का हाथ है।

धमकाने की यह परिपाटी या किसी को डराने का यह तरीका अनियंत्रित नहीं होना चाहिए। अधिकांश ईमेल और धमकियां विदेशी सर्वरों से भेजी गई थीं-रूस, यूक्रेन जैसे देशों से। यह भारत की साइबर सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से की जा रही साजिशों की ओर संकेत करती है। यह संकट केवल सुरक्षा का नहीं, मानसिक आघात का है। हर धमकी के बाद छात्रों की परीक्षा, पढ़ाई, उपस्थिति और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

बच्चों के भीतर असुरक्षा, भय और अविश्वास की भावना उत्पन्न हो रही है, जो उनके समग्र विकास के लिए बेहद खतरनाक है। अभिभावक-समाज में भी गहरा असंतोष और चिंता व्याप्त है, जो सरकार और पुलिस प्रशासन पर भरोसे को कम कर रही है।

इन डराने एवं असुरक्षा का वातावरण पैदा करने वाली धमकियों के बावजूद स्कूल प्रशासन की यह सराहनीय बात है कि ज्यादातर स्कूल खुले रहे और सबने सावधानी से काम लिया। कहीं भी अफरा-तफरी नहीं होने दी गयी। फिर भी ऐसी धमकियों के मनोवैज्ञानिक एवं संवेदनशील असर को गहराई से समझने की जरूरत है। क्या ऐसी बार-बार मिल रही धमकियों से हम एक डरा हुआ समाज ही नहीं, बल्कि एक लापरवाह समाज भी बना रहे हैं? आज ऐसी धमकियों से हमें डर लग रहा है, लेकिन कल हो सकता है, ये धमकियां हमें लापरवाह बना दें। तब शरारती तत्व किसी बड़ी घातक एवं अनहोनी घटना को अंजाम दे देने में सफलता पा ले। जरूरत है।

स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ अस्थायी जांच और अलार्म तक सीमित न रहे। एक स्थायी और आधुनिक सुरक्षा फ्रेमवर्क लागू किया जाना चाहिए, जिसमें सीसीटीवी, बायोमैट्रिक एंट्री, इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम आदि अनिवार्य हों। साथ ही, स्कूलों को अपने श्तर पर भी पुख्ता सुरक्षा के प्रबंध रखने चाहिए। बच्चों के आने और स्कूल तक पहुंचने के मार्ग खुले, चौड़े व स्पष्ट होने चाहिए। यह परखना चाहिए कि स्कूलों में अग्निशमन की व्यवस्था है या नहीं? इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कूल सुरक्षित है या नहीं? अलार्म और निगरानी व्यवस्था चौकस है या नहीं? जो स्कूल टूटे-फूटे हुए हैं, जिन स्कूलों में जल भराव या फिसलन की समस्या है, वहां विशेष रूप से उपाय करने की जरूरत है।

इस तरह की धमकी देने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो। आईटी एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत त्वरित कार्यवाही से ही ऐसे अपराधियों को रोका जा सकता है। धमकियां झूठी भी हों, तो भी दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि सभी को सबक मिले। यह अच्छी बात है कि दिल्ली के अनेक स्कूलों ने अपने विद्यार्थियों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित कर रखा है।

शुक्रवार को जब धमकी की बात सामने आई, तब भी अनेक स्कूलों में कक्षाओं को बहुत आसानी से खाली करा लिया गया। सारे विद्यार्थी अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित जगहों पर पहुंच गए। वाश्तव में, यह एक अनिवार्यता है कि सभी स्कूल अपने विद्यार्थियों को समय-समय पर प्रशिक्षित करें और मानसिक रूप से मजबूत रखें एवं ऐसी आपातकालीन स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दें। स्कूलों में मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था हो ताकि ऐसे हादसों से बच्चों और शिक्षकों पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावों को कम किया जा सके।

बार-बार मिल रही इन धमकियों ने परिवारों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता में डाल दिया है और लोग सरकार से यह उम्मीद कर रहे हैं कि वह इन धमकियों की तह में जाकर ठोस समाधान करें। सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह बड़ा मौका है कि वे अपनी योग्यता प्रमाणित करें। दोषियों तक जल्द पहुंचने की क्षमता विकसित होनी चाहिए।

धमकियां अगर साइबर माध्यम से आ रही हैं, तो क्या हम उनके स्रोतों तक पहुंचने की क्षमता नहीं रखते हैं? कोई दोराय नहीं कि अगर ऐसी धमकियों को रोका न गया, तो इससे विशेष रूप से खुफिया एजेंसियों की साख पर बट्टा लगेगा। अतः ऐसी धमकियों के प्रति अत्यधिक गंभीरता बरतने की जरूरत है। इस तरह की ईमेल धमकियों का सूत्रधार अक्सर विदेशी या वर्चुअल नेटवर्क होते हैं। भारत को अपनी साइबर सेल को और अधिक प्रशिक्षित, तकनीकी और संसाधन-सम्पन्न बनाना होगा ताकि ऐसी साजिशों की जड़ तक पहुँचा जा सके। ध्यान रखना होगा कि स्कूल केवल इमारतें नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के कारखाने हैं।

वहां डर और आतंक का माहौल नहीं, बल्कि ज्ञान और विश्वास की नींव मजबूत होनी चाहिए। आज की आवश्यकता है कि सरकार, प्रशासन, स्कूल प्रबंधन, अभिभावक और समाज मिलकर ऐसी धमकियों को केवल सुरक्षा का मुद्दा न मानें, बल्कि इसे राष्ट्रहित और बच्चों के भविष्य के संकट के रूप में देखें।

जब तक स्कूलों में सुरक्षा की पूरी गारंटी नहीं होगी, तब तक शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल नहीं हो सकेगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को इन घटनाओं पर सख्त होना होगा, अन्यथा जो देश अपने बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकता, वह अपने भविष्य को खो देता है।

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना ही हमारा कर्तव्य

संजय गोस्वामी

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है क्योंकि इस धरती पर भगवान राम के चरण पड़े और सीता माता की रक्षा के लिए रावण जैसे विशाल सेना क़ो हराया और रावण के अहंकार क़ो भी भगवान राम ने चूर चूर कर दिया भगवान श्री राम भक्त हनुमान जी और तुलसीदास जी थे। एक बार अकबर ने राम के नाम का प्रचार प्रसार क़ो देखकर इतना गुस्सा हो गया कि तुलसीदास क़ो महल में बुलाया और सर ना झुकाने पर उसे बंदी बना लिया तब हनुमान जी की बानर सेना ने धावा बोल दिया और महल में उत्पाद मचाने लगे तब अकबर क़ो समझ आया कि तुलसीदास के पास भगवान राम साथ रहते हैं और छोड़ दिया इतिहास में दर्ज है।

अकबर की क्रूरता सभी हिन्दू राजा क़ो दास बनाना एक बार राणा प्रताप तुलसीदास से मिले और राम भक्त बन गए और वही अकबर ने उसे अपनी दसिता मेवाड़ के राजा के रूप में उसके साथ ना मिलने पर हल्दीघाटी का युद्ध हुआ अतः अकबर ने मेवाड़ के राजा राणा प्रताप क़ो बहुत कोशिश की उनकी दासता क़ो स्वीकार करें और राजपूत मुगलों से एक रिश्ता बन सके लेकिन वो इसी सिलसिले में राणा प्रताप तुलसीदासजी के पास जाते हैं और अपनी व्यथा सुनाते हैं और राजा मान सिंह का दबाव बताते हैं।

तभी तुलसीदास जी ने भगवान राम का साक्षात दर्शन कराया और कहा भगवान राम हर समय तुम्हे रक्षा करेंगे और तुम्हारी बहादुरी क़ो भारत के इतिहास में अमर रहेगा और उसके बाद अकबर से किसी भी प्रकार के संधि से मना कर युद्ध करने क़ो तैयार हो गए और उनके सामने थे राजा मान सिंह और मुगलों की विशाल सेना जिसे हल्दीघाटी के युद्ध से भी जाना जाता है दरअसल राजा मान सिंह, जिन्हें मिर्ज़ा राजा के नाम से जाना जाता था, अकबर के एक वरदहश्त साथी थे, और उस मंडली के सदस्य थे जिसे बादशाह नौरत्न या नौ रत्न कहते थे।

वे 1562 में अकबर के दरबार में शामिल हुए, जोधाबाई अकबर की पत्नी मरियम-उज़्-ज़मानी का एक लोकप्रिय नाम है। मान सिंह उनके भतीजे थे। वे उनके भाई, राजा भगवंत दास के पुत्र थे। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप ने जिस बहादुरी से लड़ा वो इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं उन्होंने सीधा मान सिंह जो हाथी पर सवार थे उनका घोड़ा चेतक ने हाथी पर चढ़ना चाहा और घायल हो गया अतः उनके साथियों ने सलाह दि की आप यहाँ से दूर जाकर चेतक की रक्षा करें युद्ध के दौरान, चेतक घायल हो गया था, लेकिन फिर भी वह महाराणा प्रताप को युद्ध के मैदान से दूर ले गया। चेतक ने एक 22 फुट चौड़ा नाला भी पार किया, जिसे मुगल सेना पार नहीं कर पाई थी चेतक की वीरता और वफादारी के कारण, उसे आज भी याद किया जाता है।

युद्ध के बाद, चेतक की मृत्यु हो गई और उसकी याद में एक स्मारक बनाया गया, जिसे चेतक समाधि के नाम से जाना जाता है। हल्दीघाटी युद्ध का भले ही क़ोई परिणाम नहीं निकला क्योंकि वहाँ महाराणा प्रताप क़ो पकड़ा नहीं गया और उनके बदले किसी और ने महाराणा प्रताप का मुकुट पहना था और वो शहीद हो गया लेकिन इतिहास लिखने वाले कैसे अकबर क़ो महान मानते हैं।

लगता है उन्हें हल्दीघाटी युद्ध की जानकारी नहीं होगी और महाराणा प्रताप के बारे में समझा नहीं होगा और फ़ल्मि कार भी कैसे अकबर जो क्रूर था उसक़ो महान बनाने में फ़ल्मि भी बना दि क़ोई अकबर दि ग्रेट बनाया क़ोई जोधाबाई इससे आपको नहीं लगता देश के सच्चे नायक महराणा प्रताप जो भारत क़ो अकेले ही मुगलों से लोहा लिया और उस समय उसका नेतृत्व अकबर ने ही किया था।

दरअसल अकबर बहुत चालक था जो भगवान राम की धरती पर पूर्ण मुग़ल समाराज्य की स्थापना ब्रेन वास कर करना चाहता था इसलिए हिन्दू क़ो भ्रमित करने के लिए राजा मान सिंह से मंदिर भी बनवाएं और इस तरह धन का लालच देकर सबको अपना गुलाम बना लिया इससे भारत क़ो केवल अपने पाठ्यक्रम में बदलाव नहीं भारत क़ो राम का कर्मभूमि समझ कर देशहित में निर्णय लेना चाहिए आज अमेरिका क्यों कूद रहा भारत के आंतरिक मामलों पर चीन के साथ हाथ क्यों मिला रहें हैं यह 140 करोड़ भारतीय का लोकतान्त्रिक देश है जो मर सकता है मिट जाएगा।

लेकिन किसी के सामने कभी नहीं झुकेगा आखिर क्या सीखा भगवान राम से हथियार डाल दे याद कीजियेगा भारत के रक्षक गुरू गोविन्द सिंह की चमकौर युद्ध की जिस मुगलों ने आनंदपुर साहिब क़ो पुरी तरह से घेर रखा था और रसद पानी सब बन्द कर दिए गए उसके बाद जब 40 सिख ने विरोध किया तो गुरुगोविन्द सिंह ने कहा क्या मैं खुद के लिए लड़ रहा हूँ तब सभी 40 सिखों ने वजीर खान की दस लाख सेना से लड़े और गुरूजी ने 5-5 की तादाद में भेजना चालू किया और अंत में विजय हुए हालांकि उसमें सारे शहीद जरूर हुए लेकिन गुरूजी पंच प्यारे के कहने पर वहाँ से दूर जरूर गए।

लेकिन उनकी वीरता और भारत के आत्मसम्मान क़ो कभी झुकने नहीं दिया भाषण देने मंदिर बनाने से ज्यादा जरुरी है भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना भारतीय सेना के बहादुरी क़ो सलाम करना भारत में किसी चीज की कमी नहीं है हमें रोटी कपड़ा और मकान की जरुरत से ज्यादा भगवान राम ने दि है इसे किसी के आगे झुकने नहीं दो चाहे देश के लिए मर मिटो नहीं चाहिए टेस्ला कार और भौतिक सुखों का अम्बार टेस्ला कार मुंबई में अचानक नहीं आई होगी पहले से प्लांनिंग होगी।

अब इससे भ्रस्टाचार और बढ़ेंगे कार क़ो पाने के लिए आखिर कौन लेगा जिसके पास पैसा होगा और पैसा अमीरों के पास होगा जो गरीबों से ही बसूला जायेगा। अतः भारत में अब भाषण नहीं भगवान राम के आदर्शो से सिखने की जरुरत है जो स्थूल शरीर भारत माता के स्वाभिमान के लिए मिट सकता है लेकिन मर नहीं सकता क्योंकि आत्मा अमर होती है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है जिसे भारत माता के वीर सपूत महाराज शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविन्द सिंह और संभाजी से प्रेरणा लें उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं देश के बारे में सोचा। अभी जो चर्चा का विषय बना है।

मुग़ल सम्राट अकबर का एन सी आर टी के पाठ्यक्रम में बदलाव जिसमें पहले अकबर क़ो इतिहास की पाठ्यपुश्तकों में एक अच्छा मुग़ल शासक बताया गया बदलाव ठीक है लेकिन अमल करना चाहिए भारत माता क़ो माँ समझ कर उसके स्वाभिमान की रक्षा करना हर भारतीय का दायित्व है अमेरिका के राष्ट्रपति जिस तरह भारत के आंतरिक मामलों में दखल दे रहें है वो बिलकुल गलत है युद्ध होता है तो दोनों तरफ से बमबारी खून खराबी होती है लेकिन जरुरी ऐ होता हैं।

हमने अपना लक्ष्य हासिल की या नहीं अब ऑपरेशन सिंदूर में 5फायटर जेट गिरे या क्या हुआ ऐ भारतीय सेना के गर्व की बात है जिसे सेना के सीडीएस प्रमुख ने खुद मीडिया के सामने बयान दिया सेना के उप प्रमुख ने तो यहाँ तक कह दिया की हम युद्ध पाकिश्तान के साथ साथ तीन फ्रंट पर लड़ रहें थे जिसमें चीन औऱ तुर्की भी शामिल था अतः वो अब मज़ाक के पात्र बन गए है ऐ कहना चाहिए भारतीय सेना ने जान की बाजी लगाकर भारत की रक्षा की हमें सेना की बहादुरी क़ो सलाम करना चाहिए।

रोग होने पर रोग की चिन्ता करना उसे द्विगुणित कर देता है। रोग का उपाय अवश्य करना चाहिए, किंतु रोग का चिन्तन एवं उसकी बार-बार चर्चा करना और रोग से भयभीत होकर जीवन को सड़ा देना मूर्खता ही है। रोग के मूड में रहने से रोग बढ़ता ही है। होम्योपैथी, एलोपैथी आदि से बढ़कर लाभकारी एपेथी (रोग की परवाह न करना है) है।

राम कृपा नासहिं सब रोगा। यदि श्रीराम जी की कृपा से इस प्रकार का संयोग बन जाए तो ये सब रोग नष्ट हो जाएँ। सद्गुरु रूपी वैद्य के वचन में विश्वास हो। विषयों की आशा न करे, यही संयम (परहेज) है। कुछ लोग नाजुक-मिजाजी में रोग बना रहना चाहते हैं। यह उनके लिए एक शान की बात होती है। ऐसे लोगों से सदा बचते रहें। उनके सम्पर्क से काल्पनिक रोग लगते हैं। मेरे एक पूर्वज इसी रोग से मर गये थे-ऐसा तर्क मूर्खतापूर्ण होता है।

अमुक व्यक्ति जैसे रोग के लक्षण कहीं मुझमें तो नहीं है, कहीं मुझमें भी वह रोग तो नहीं आने लगा है, इस प्रकार अपने को दूसरे रोगियों के समान रोगी समझने लगना अथवा रोग के लक्षणों की मिथ्या कल्पना करना भयंकर भूल है। यदि आप चिकित्सक नहीं है तो व्यर्थ ही रोगों की सविश्तार जानकारी करने का प्रयत्न न करें, क्योंकि रोगों की जानकारी करते हुए आप अपने भीतर भी रोगों की मिथ्या कल्पना कर सकते हैं।

ऐसे चिकित्सक को दूर रखें जो रोग को भयंकर कहकर उसे असाध्य बना देता है। आप बहुत सोचते हैं, मन में ताना-बाना बुनते रहते हैं, आपको भारी हृदय-रोग हैं, आपकी चिकित्सा करना कठिन है-इत्यादि बातें अविवेकी चिकित्सक कहते हैं। किसी रोगी से अपनी तुलना न करें, स्वस्थ व्यक्तियों से प्रेरणा लें। प्रत्येक व्यक्ति की स्थिति अलग-अलग होती है। आशा और विश्वास रखने से तथा प्रबल इच्छा-शक्ति से भयंकर रोग भी ठीक हो जाते हैं। अतः ऋणात्मक चिन्तन करना सर्वथा त्याज्य है। अपने स्वस्थ हो जाने में तथा स्वस्थ रहने में अनन्त और अखंड विश्वास रखें। जीवन के प्रति आस्था, उत्साह और विश्वास मनुष्य को सदा तरुण बनाये रखते हैं।

अपच और अनिद्रा चिन्ता के कारण उत्पन्न होते हैं तथा चिंता से ये उग्र रूप धारण कर लेते हैं। अनिद्रा में जप करने के लिए बैठ जाएं। बैठकर केवल तटस्थ चिन्तन (अपने विचारों के साथ सहयोग न करते हुए, उन्हें देखते रहना) करने लगना भी मन को शान्त कर देता है। आखिर, मन के विचार तो आपके ही हैं। उनसे आप कब तक डरेंगे? मन के विचारों को, वे कितने भी डरावने क्यों न हों, शांत भाव से तटस्थ होकर बार-बार देखने से, उनकी भीषणता का शमन हो जाता है।

मन के साथ समझौता तथा अपने साथ मेल करने का यही एक ढंग है। यदि मन के साथ मैत्री हो गयी, तो आपने रोग और कष्ट पर आधी विजय पा ली। मन के साथ मित्रता करने का अर्थ है, मन को समझकर उसे स्वीकार करना तथा धैर्यपूर्वक उत्तम दिशा देना अथवा उसे जीत लेना। मन को जीतकर मानो आपने एक साम्राज्य जीत लिया।

घृणा, क्रोध, भय, चिन्ता, ईर्ष्या, द्वेष, क्लेश आदि मनोविकार रक्त संचार पर भी कुप्रभाव डाल देते हैं तथा मानसिक विकलता उत्पन्न कर देते हैं। यदि आपको एक बार कोई रोग हुआ था और अब पुनः उसका प्रभाव हो गया है तो आप यह कल्पना एवं चिन्ता न करने लगें कि पुनः रोग उग्र हो जायगा। अब तो आपको आदत पड़ गयी और आप उस रोग का रहस्य जान गये। अतः विश्वास करें कि शीघ्र ही आप उस पर विजय पा लेंगे। सैकड़ों लोग की रोग से मुक्ति होती है, आपकी भी होगी। मन में यह विश्वास दृढ़ कर लें। मन के जीते जीत है मन के हारे हार।

कांवड़ यात्रा के साथ आम यातायात पर भी ध्यान दें

अशोक मधुप/वरिष्ठ पत्रकार

अबसे एक दिन बाद 23 जुलाई को शिवरात्रि का पर्व है। लगभग एक सप्ताह से कावंड़ यात्रा चल रही है। सड़कों पर कांवड़ियों के समूह पवित्र नदियों से जल लेकर अपने गन्तव्यों के लिए रवाना हो चुके हैं। शिवरात्रि पर जलाभिषेक के बाद कावंड़ यात्रा पूर्ण हो जाएगी। सड़कों से गुजरते भोले के भक्तों के काफले अपनी मंजिल पर पंहुचकर अगले छह माह के लिए रूक जाएंगे।

जाड़ों में दुबारा शिवरात्रि पड़ेगी, तब ये यात्रा फिर शुरू होगी।फिर कांवड़ियों के काफलें सड़कों पर होंगे। ज्योतिर्लिंग वाले सभी प्रदेशों में इस यात्रा को देखते हुए व्यापक व्यवस्था की जाती है। अन्य शिवालयों पर भी भारी तादाद में श्रद्धालु जल चढ़ाते हैं। कई बार किसी कांवड़ से किसी के टकराने या कावड़िए के दुर्घटनाग्रश्त होने पर कावड़िए प्रायः हंगामा करते हैं। कई जगह तोड़फोड आगजनी आदि पर उतर आते हैं,इसलिए प्रशासन पहले से सचेत रहता है।

केंद्र में भाजपा सरकार आने और कई प्रदेशों में भाजपा की सरकार होने के बाद से इस कांवड़ यात्रा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। इनके लिए आने जाने के मार्ग निर्धारित होने लगे। इन कांवड़ियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। अधिकतर महत्वपूर्ण मार्ग इनके लिए आरक्षित किए जाने के कारण इन मार्ग के वाहन दूसरे मार्ग पर भेजे जाने लगे। इससे आम लोगों को परेशानी होने लगी। तीन घंटे का राश्ता छह से सात घंटे में पूरा होने लगा। वाहनों को 60 से 70 किलो मीटर ज्यादा चलना पड़ा।

वाहनों के ज्यादा चलने के तेल ज्यादा लगा। तेल का ज्यादा लगना राष्ट्रीय नुकसान है और व्यक्ति की समय की बरबादी। व्यवस्था ऐसी बनाई जाए कि कांवड़ यात्रा भी निर्विघ्न रूप से पूरी हो और दूसरे वाहन और यात्रियों को कोई परेशानी न हो। नियमित यातायात इस यात्रा के दौरान सुगमता से चलता रहे। आज हालत यह है कि कई दिन से उत्तर प्रदेश दिल्ली एनसीआर और उत्तरांचल के मार्गों पर दिन में ट्रकों की आवाजाही बंद है।सड़कों के किनारे ट्रकों की लंबी लंबी लाइन लगी है। पूरे दिन वह सड़क किनारे खड़े रहते हैं। रात में उन्हें चलने की अनुमति मिलती है। इस प्रक्रिया से राष्ट्र की कितनी शक्ति व्यर्थ जाती है, इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

शिवरात्रि भगवान शिव का पर्व है। यह पर्व पूरे भारत वर्ष में मनाया जाता है।करोड़ों की संख्या में शिव के उपासक पवित्र नदियों के स्थलों से उनका जल कांवड़ में लेकर आते और शिवालयों पर जाकर चढ़ाते हैं। ज्योतिर्लिंग पर तो शिवरात्रि पर जल चढ़ाने के साथ उत्तर भारत क्या पूरे देश में यह पर्व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कांवड़ यात्रा कई –दिन चलती है। सड़कों पर कावड़ियों का रेला ही रेला दिखाई देता है।

श्रद्धालु कावंड़ियों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा उपलब्ध कराकर पुण्य लाभ पाने के लिए तत्पर रहतें हैं।ये कांवड़ियों मार्ग पर उनके खाने –पीने की ठहरने आदि की निशुल्क व्यवस्था करते हैं।भंडारे लगाते हैं। यात्रा पर निकलने से पहले कावंड़िए तैयारी करते हैं। कांवड़, उसके सजाने आदि और अपनी यात्रा का सामान खरीदते हैं।अपने साथ चलने वाले वाहन किराए पर लेते हैं।

इन पर किराए का म्युजिक सिस्टम लगाते हैं।कांवडिए की अलग तरह की भगवा रंग की टीशर्ट चल पड़ी। इसका ही अब लाखों रूपये का कारोबार बन गया। कांवड़ यात्रा से हजारों लोगों का रोजगार चलता है। इस यात्रा पर खरबों रूपये का बिजनेस होता है।

इसलिए ये यात्रा होनी चाहिए। इस यात्रा की व्यवस्थाएं भी भव्य होनी चाहिए। कांवड़ियों की व्यापक सुरक्षा और बढ़िया मार्ग की व्यवस्था होनी चाहिए। जगह जगह आपातकाल में इनके उपचार के प्रबंध हों। इनकी सुविधा के लिए कोई कसर उठकर नही रखी जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस व्यवस्था पर स्वंय नजर रखते हैं। वे हैलिकाप्टर से कांवड़ियों पर फूलों की वर्षा भी करते हैं।

उत्तर भारत में सावन की शिवरात्रि पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। कावड़ यात्रा के कारण उत्तर भारत में यातायात बुरी तरह प्रभावित होता है। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार पिछले साल साढ़े चार करोड़ से ज्यादा शिवभक्त जल लेने हरिद्वार पंहुचे।

2023 में चार करोड़ श्रद्धालु आए थे। ये यात्रा अभी चल रही है, अनुमान है कि इस बार अकेले हरिद्वार से ही कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पांच करोड़ से ज्यादा हो जाएगी,किंतु कुछ स्थानों पर पूरे सावन कांवड़ चढ़ती हैं। श्रद्धालु के समूह हरिद्वार आते और जल लेकर अपने गंत्व्यों की ओर रवाना होते रहते हैं।

उत्तर भारत की इस कांवड़ यात्रा को देखते हुए उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा सरकार व्यापक व्यवस्थाएं करती हैं, किंतु यात्रा के समय ये सब व्यवस्थाएं बौनी पड़ जाती हैं। इसी कारण कई जगह कांवड़ियों के हंगामा करने की सूचनाएं आती हैं।कुछ जगह तोड़फोड़ और आगजनी तक हो जाती है। इस सबका कारण यात्रा से कुछ पहले तैयारी करना है, जबकि इसके लिए पूरे साल तैयारी की जाती चाहिए। इसके लिए अलग से विभाग होना चाहिए, किंतु ऐसा होता नहीं।

केंद्र और राज्य सरकारों को कावंड़ियों की सुविधा के साथ आम आदमी की सुविधा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। व्यवस्था की जानी चाहिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान आम यातायात प्रभावित न हो। केंद्र एक्सप्रेस वे बना रहा है ताकि यातायात के किसी वाहन को परेशानी न हो। इसके लिए कांवड यात्रा वाले प्रदेश की सरकारों का केंद्र के साथ मिल बैठ कर प्लान करना चाहिए।

कावंड यात्रा वाले मार्ग पहले ही इस तरह बनाए जांए कि उसकी साइड से आम यातायात सुगमता से अनवरत चलता रहे। कांवड यात्रा वाले मार्ग पर कांवड़ यात्रियों के लिए पहले से ही दो अलग लेन बनाकर रखी जा सकती हैं।

यात्रा के समय में इन पर कांवड़िए और उनके वाहन चलें, बाद में ये लेन आम ट्रैफिक के लिए प्रयोग हों। कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर कांवड़ यात्रियों के आराम रूकने के स्थान पहले से चिंहित हों। स्थान ऐसे हों कि यहीं कांवड़ शिविर भी लग सकें।

1990 के आसपास कांवड़ यात्रा का इतना प्रचलन नही था। आज यह बढ़ता जा रहा है। अब साढे चार करोड़ के आसपास कांवड़िए हरिद्वार से कांवड़ ला रहे हैं। इनकी बढ़ती संख्या को देखते हुए हो सकता है कि आने वाले कुछ सालों में यह संख्या बढ़कर दुगनी या उससे भी ज्यादा हो जाए। इसलिए हमें अभी से इसके लिए व्यवस्था बनानी होगी। प्लानिंग करनी होगी। हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए हरिद्वार के लिए अतिरिक्त ट्रेन चलानी होंगी।

कावंड़ यात्रा के समय आम यात्री को कांवडियों की भीड़ के कारण भारी परेशानी होती है। ट्रेन के साथ –साथ इनकी संख्या को देखते हुए स्पेशल बसे चलाईं जांए। कांवड़ यात्रा के कारण छात्रों की परेशानी को देखते हुए कई जगह स्कूल कॉलेज बंद करने पड़तें हैं।

शहरों के स्थानीय निवासियों की गतिविधि और आवागमन प्रभावित होता है,व्यवस्था ऐसे बनाई जाए कि कांवड़ यात्रा भी चले और उस क्षेत्र के आम निवासी की गतिविधि और दिनचर्या भी प्रभावित न हों।

इस पार उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल सरकार ने हुडदंग करने वाले कांवड़ियों के विरूद्ध कार्रवाई शुरू की है। ये व्यवस्था तो पहले से होनी चाहिए।भगवान शिव के भक्तों को तो बहुत सरल और सौम्य होना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन।सी।आर। प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www lncrtoday lin **ई-मेल:** todayncr@gmail।com >> ncrtoday@hotmail।com **RNI-**UPHIN/2009/30721

गाड़ी निकालने के विवाद में छोटे भाई के परिवार पर हमला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मयूर विहार डासना में गाड़ी निकालने के विवाद में दो भाइयों में विवाद हो गया। बड़े भाई ने तीन बेटों और पत्नी के साथ मिलकर छोटे भाई के परिवार पर हमला कर दिया। हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मयूर विहार डासना में रहने वाले नेमपाल सिंह का कहना है कि 20 जुलाई की शाम करीब सवा छह बजे उनका भतीजा अभिषेक गाड़ी निकाल रहा था। इसी दौरान अभिषेक ने उन्हें कार से टक्कर मार दी। आरोप है कि इस बारे में वह भाई राजेश से शिकायत करने गए तो उसने अपने तीनों बेटों लोकेश, नितिन और अभिषेक ने उनके साथ-साथ उनके बेटे विशाल, बेटी राशि और पत्नी मंजू पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। भाई की पत्नी पुष्पा ने ईंट से उनकी बेटी पर हमला किया, जिससे वह लहूलुहान हो गई। इसके अलावा गंभीर चोट लगने के कारण उनका बेटा विशाल बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद भी भाई राजेश और उसके परिवार के लोग गाली-गलौज करते रहे। वह जैसे-तैसे जान बचाकर मसूरी थाने पहुंचे और शिकायत दी। एसीपी लिपि नगायच का कहना है कि पीड़ित के भाई राजेश, भतीजों नितिन, लोकेश व अभिषेक तथा भाभी पुष्पा के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया था। 21 जुलाई को घटना में शामिल अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह और उसके चाचा नेमपाल पड़ोस में रहते हैं।

नितीश कटारा हत्याकांड के गवाह से 12 लाख की रंगदारी वसूली

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। नितीश कटारा हत्याकांड के गवाह को जान का खतरा बताकर 12 लाख रुपये की रंगदारी वसूल ली गई। आरोपी मीडियाकर्मी बनकर आए और पीड़ित का इंटरव्यू कर बताया कि उनकी हत्या हो सकती है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रविवार को रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लाजपतनगर में रहने वाले अजय कटारा चर्चित नितीश कटारा हत्याकांड में गवाह हैं। उन्होंने बताया कि चार साल पहले दिल्ली के सरिता विहार में रहने वाला मोहम्मद असलम बर्नी उनसे मिला और खुद को मीडियाकर्मी बताया। उस दौरान ही असलम, उसके साथी अमन बर्नी और सहयोगी पल्लवी शर्मा ने पीड़ित का इंटरव्यू लिया और अपने चैनल में चलाया। तभी से आरोपियों से बातचीत होती है। अजय ने बताया कि जनवरी 2025 में आरोपियों ने उन्हें दिल्ली स्थित कार्यालय बुलाया। यहां एक बाहुबली का नाम लेते हुए कहा कि हम उसके लिए कार्य करते हैं। तुम्हें मारने के लिए एक गैंग लगा है। इस गैंग को हम लोग रोक देगें, लेकिन इसके एवज में 10-12 लाख रुपये चाहिए। कारण पूछने पर बताया कि गवाही देने के कारण हत्या की साजिश रची जा रही। आरोपियों ने दो लाख रुपये उनसे ले लिए। इसके बाद आरोपी उनके घर आए और भयभीत करने का प्रयास करते हुए 10 लाख रुपये मांगने लगे। रकम न देने पर पल्लवी ने दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। डर के कारण उन्होंने भतीजी की शादी के लिए घर में रखे 10 लाख रुपये और आरोपियों को दे दिए। आरोप है कि अब उनसे 50 लाख रुपये की मांग की जा रही। रकम न देने पर आरोपी उन्हें और परिजनों को खत्म करने की धमकी दे रहे हैं। परेशान होकर उन्होंने

धमकी और समाज में अपमानित करने का आरोप, केस दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मवई गांव निवासी युवक ने दो भाइयों पर घर में घुसकर गाली-गलौज तथा अशोभीय बाते करते हुए हत्या की धमकी देने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, पीड़ित के मुताबिक आरोपी उसके बारे में तरह-तरह की आपत्तिजनक बातें करके समाज में अपमानित कर रहे हैं। विजयनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। विजयनगर सेक्टर-नौ के मवई गांव निवासी सादिक अली का कहना है कि 11 जुलाई की दोपहर करीब डेढ़ बजे वह मस्जिद में नमाज पढ़कर घर लौट रहे ते। राश्ते में अज्ञात लड़कों ने उन्हें राश्ते में रोक लिया और गलत शब्दों का इश्तेमाल करने के बाद गाली देकर भाग गए। इसके बाद वह अपने घर आ गए। सादिक अली के मुताबिक इसके बाद वह निजी कार्य से कोर्ट चले गए। आरोप है कि दोपहर करीब दो बजे मोहल्ले में ही रहने वाला खालिद उनकी गैरमूजदी में घर आ धमका। उसने न सिर्फ उनका नाम लेकर गाली-गलौज की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी।

छोटी काशी में उमड़ा शिवभक्तों का सैलाब, भीड़ के दबाव से रेलिंग टूटी

लखीमपुर खीरी , एजेंसी। लखीमपुर खीरी में सावन माह के दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। तड़के से ही शिव मंदिरों में भीड़ उमड़ने लगी। भक्तों ने लंबी-लंबी कतारों में खड़े होकर शिवलिंग के दर्शन किए और जलाभिषेक किया। गोला गोकर्णनाथ के पौराणिक शिव मंदिर में भगवान शिवन के दर्शन करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। यहां भारी भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन के इंतजाम भी ध्वस्त हो गए। मंदिर के मुख्य मार्ग पर लोहे के एंगल से बनाई गई दीर्घा भीड़ को रोक नहीं पाई और टूटकर गिर गई। हालांकि किसी के घायल होने की खबर नहीं है। घटनास्थल पर चप्पल-जूतों का ढेर बिखरा नजर आया।

मंदिर में जलाभिषेक के लिए दोपहर 12 बजे के बाद तक कांवड़ियों की कतार लगी रही। कछला और हरिद्वार से गंगाजल लेकर आए कांवड़ियों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। रविवार शाम गोला मार्ग पर कावड़ियों के जत्थे गोला गोकर्णनाथ के लिए रवाना होते रहे। कावड़ियों के जत्थे में भजनों की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे। बच्चे और महिलाएं भी कांवड़ लेकर जाती दिखीं। लखीमपुर शहर के प्रमुख प्राचीन मंदिरों, भुईफोरवनाथ और जंगली नाथ मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भुईफोरवनाथ मंदिर में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग लाइनें बनाई गई, जिससे व्यवस्था सुचारू रही। ओयल स्थित मेंढक मंदिर में भी शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी। भक्तों ने शिवलिंग पर दूध, जल और बेल पत्र चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर जयकारों से गूंजता रहा।

काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा, हर- हर महादेव के लगे जयकारे

वाराणसी , एजेंसी। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सावन के दूसरे सोमवार के अवसर पर शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की गई। इस दौरान हर– हर महादेव के जयकारे से पूरा धाम गूंज उठा। मंगला आरती के साथ ही बाबा के झांकी दर्शन शुरू हो गए। इस दौरान कांवड़ियों व शिवभक्तों की लंबी कतार लगी रही। भक्तों ने बाबा के दर्शन कर मंगल कामना की। काशी विश्वनाथ मंदिर में 8:30 बजे तक दो लाख श्रद्धालुओं नें बाबा के दर्शन किए। मार्कंडेय महादेव मंदिर में सोमवार की भोर से ही मंगला आरती के बाद हर– हर महादेव उद्घोष के साथ गंगा गोमती संगम में स्नान कर हजारों भक्तों ने बाबा का जलाभिषेक किया। सुबह 6 बजे के बाद लगातार भीड़ बढ़ती ही जा रही है। शूलटंकेश्वर महादेव मंदिर में सावन के दूसरे सोमवार पर सुबह से हर– हर महादेव के उद्घोष के साथ शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने कतार में खड़े होकर बाबा के दर्शन पूजन किए।

धर्म-सौहार्द की तस्वीर: मुस्लिम लोगों ने किया कांवड़ियों का जोरदार स्वागत, बरसाए फूल...बांटे फल

अमरोहा , एजेंसी। अमरोहा जिले के बछरायूं कस्बे में में गंगा जल भरकर लौट रहे कांवड़ियों का अनोखे अंदाज में स्वागत किया गया। हाफिज रोड चौराहे के पास मुस्लिम समाज के लोगों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की और उन्हें पानी की बोतलें व फल वितरित किए।

इस आयोजन का नेतृत्व भाजपा नेता शेख चिरागुद्दीन ने किया। शेख चिरागुद्दीन ने कहा कि भारत की पहचान उसकी गंगा-जमुनी तहजीब है। सभी धर्मों के लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और प्रेम की भावना और मजबूत होती है। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सहित मोहम्मद शानू, मोहम्मद हफीज, अब्दुल रहमान, मोहम्मद शारिक, फैजान, शमीम अहमद समेत कई लोग मौजूद रहे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने भी इस पहल की सराहना की।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भूमि स्वामित्व, मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है। अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, किंतु कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते अधिकांश को आज तक वैध भूमिधरी अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर सहित कई जिलों में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को वर्षों पूर्व बसाया गया था और उन्हें कृषि भूमि भी आवंटित की गई थी। हालांकि, समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियां, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को अब तक विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। कुछ स्थानों पर अन्य राज्यों से आए विस्थापित भी बसाए गए हैं, जो आज भी भूमि स्वामित्व से वंचित हैं।

अद्यतन स्थिति के अनुसार, एक ओर जहां कई गांवों में वर्षों से खेती कर रहे परिवारों ने भूमि पर स्थायी आवास बना लिए हैं, वहीं राजस्व अभिलेखों में उनके नाम आज भी दर्ज नहीं हैं। दूसरी ओर, कुछ ग्रामों में वास्तव में आज भी उन परिवारों का कोई अस्तित्व नहीं है, जिन्हें पहले वहां बसाया गया था। कई परिवारों ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए भूमि पर कब्जा किया है, जिससे समस्या हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मामलों में पूर्व में भूमि का आवंटन गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट के तहत हुआ था, उन्हें ध्यान में रखते हुए वर्तमान विधिक ढांचे में नए विकल्प तलाशे जाएं, क्योंकि यह अधिनियम 2018 में निरस्त किया जा चुका है।

64 करोड़ के यूनिफॉर्म घोटाले की जांच करने पहुंची विजिलेंस, तीन कर्मचारियों से की पूछताछ

हाथरस , एजेंसी। विजिलेंस (सर्तकता अधिष्ठान) आगरा की एक टीम 18 जुलाई को हाथरस के बीएसए कार्यालय पहुंची और साल 2020-2021 के यूनिफॉर्म वितरण से संबंधित दस्तावेज तलब किए। उस समय कार्यालय में तैनात रहे तीन कर्मचारियों से भी पूछताछ की।

दरअसल, उस समय हाथरस में तैनात रहे बेसिक शिक्षा अधिकारी मनोज मिश्रा पर यूनिफॉर्म वितरण में धांधली सहित अनियमितताओं के कई आरोप लगे थे और इसकी शिकायत शासन व सतर्कता अधिष्ठान से की गई थी, तभी से इसकी जांच चल रही है। टीम ने यहां तीन कर्मचारियों से पूछताछ की और अभिलेखों को देखा। लेकर बीएसए दफ्तर में चर्चाएं रहीं। कर्मचारी जांच के संबंध में तरह-तरह के अनुमान लगाते नजर आए।

यह था मामला: शिक्षा सत्र 2020-21 में शासन से बेसिक विभाग के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए 644289250 रुपये की धनराशि प्राप्त हुई थी। उस समय विद्यालय प्रबंध समिति के बैंक खातों में धनराशि हस्तांतरित की जाती थी। नियमानुसार विद्यालय प्रबंध समिति चार लोगों की क्रय समिति का गठन करती थी। यह समिति यूनिफॉर्म के लिए कपड़ा खरीदती थी और यूनिफॉर्म सिलवाकर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराती थी। तत्कालीन बीएसए पर आरोप है कि उन्होंने निजी फायदे के लिए नियमों के दरकिनार कर अलीगढ़ की फर्म के साथ मिलकर पूरा खेल किया था। इसमें सहपऊ के एक शिक्षक ने अहम भूमिका निभाई थी। विद्यालय प्रबंध समिति ने चेक बीआरसी पर जमा कराए थे। बताया जा रहा है कि फर्म ने बिल तक उपलब्ध नहीं कराए हैं। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि मामले को तूल पकड़ता देख बीएसए कार्यालय के कर्मचारी आनन-फानन अब बिलों की व्यवस्था करने में जुटे हैं।

पहली कैंपस प्रवेश परीक्षा संपन्न, एलएलएम व एमएससी एग्रोनॉमी के लिए 481 परीक्षार्थियों ने दिया एंट्रेंस

हाथरस , एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को कैंपस की पहली प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। एलएलएम व एमएससी एग्रोनॉमी में एडमिशन के लिए 481 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। केवल 17 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हो गई।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में एलएलएम व एमएससी एग्रोनॉमी के लिए रविवार को प्रवेश परीक्षा कराई गई। सुबह की पाली में एलएलएम की परीक्षा हुई। परीक्षा में पंजीकृत 421 छात्रों में से 409 परीक्षार्थी शामिल हुए, वहीं 12 अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में एमएससी एग्रोनॉमी की परीक्षा हुई, जिसमें 77 छात्रों में से 72 छात्रों ने परीक्षा दी और 5 छात्र अनुपस्थित रहे।

एलएलएम व एमएससी एग्रोनॉमी की प्रवेश परीक्षाओं में कुलपति प्रो. नरेंद्र बहादुर सिंह ने निरीक्षण किया। साथ ही परीक्षा नियंत्रक धीरेंद्र कुमार, उपकुलसचिव पवन कुमार, सहायक कुलसचिव शशांक मालवीय ने भी समय-समय पर परीक्षा कक्षों का दौरा किया। परीक्षा में विधि विभाग की डॉक्टर स्निग्धा पांडे, डॉक्टर कुशाग्र कुलश्रेष्ठ, डॉक्टर मुदित शर्मा, डॉक्टर मोहम्मद आसिफ, एग्रोनॉमी डिपार्मेंट के डॉ अजीत कुमार, डॉक्टर सफदर हाशमी, विवि मीडिया प्रभारी गगन प्रताप सिंह आदि ने भी सहयोग प्रदान किया।

परिसर की पहली प्रवेश परीक्षा संपन्न कराने के लिए कुलपति प्रोफेसर एनबी सिंह ने परीक्षा में लगे हुए हर कर्मचारी, अधिकारी और प्रोफेसर का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि चूंकि यह परीक्षा विवि कैंपस की पहली प्रवेश परीक्षा थी, फिर भी इसे पूर्णतः सुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया। आगे भी अन्य पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं आयोजित कराई जाएंगी। प्रवेश परीक्षा से चयन होकर पाठ्क्रम में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई कराई जाएगी।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गोतस्कर गिरफ्तार

मंझनपुर , एजेंसी। चार माह पहले गोवंश की हत्या के मुकदमें में फरार चल रहे 25 हजार के इनामी तस्कर को कादीपुर ससुर खदेरी पुल के समीप पुलिस ने शनिवार तड़के मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। गोली उसके एक पैर में लगी। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मंझनपुर प्रभारी निरीक्षक संजय तिवारी ने बताया कि चार माह पहले सोनारन का पूरा गांव से बैल चोरी हो गया था। सुबह गोवंश का अवशेष पड़ा मिला था। मामले में केस दर्ज कर तीन आरोपियों को दूसरे दिन गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। जबकि, चौथा आरोपी अवसाब निवासी कांशीराम कॉलोनी समदा फरार हो गया था। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। शनिवार तड़के पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी गोतस्कर अवसाब कादीपुर स्थित ससुर खदेरी नदी पुल के समीप खड़ा है। वह भागने के लिए किसी साथी का इन्तजार कर रहा है। इस पर इंस्पेक्टर फोर्स के साथ पहुंच गए। पुलिस को देख अवसाब भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो उसने फायरिंग कर दी।

तेज रफ्तार कार ने कांवड़िये को रौंदा, तीन गंभीर घायल

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

मथुरा रोड पर तेज रफ्तार कार ने कांवड़िए को रौंद दिया और सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसे में कांवड़ियां गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि कार सवार दो युवक भी घायल हो गए।

हादसे से गुस्साए राहगीरों ने कार सवारों की पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत करवाकर घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। यहां से डॉक्टर ने कांवड़िए सहित तीन लोगों को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। क्षतिग्रश्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात चालू करवाया।

पुलिस ने घायलों के परिजनों को हादसे की खबर देकर जांच शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक जनपद मथुरा के रहने वाले कार सवार युवक मनीष, सत्यपाल, नीरज, प्रदीप और योगेश कावड़ लेने बुलंदशहर के रामघाट जा रहे थे। कार सासनी गेट के मथुरा रोड़ पर हाईवे पुल के पास पहुंची थी। तभी कार ने कावड़ लेकर लौट रहे हाथरस के सादाबाद के रहने वाले 50 वर्षीय दाताराम को कार ने रौंद दिया। साथ में उनकी पत्नी भी थी। हादसे के बाद कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ जुट गई। उन्होंने हंगामे के साथ कार सवार युवकों की पिटाई कर दी।

पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल दाताराम, मनीष और सत्यपाल को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया। जहां से तीनों को जवाहरलाल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उधर, पुलिस ने कार सवार नीरज, प्रदीप व योगेश का जिला अस्पताल में मेडिकोलीगल और इलाज करवाया।

इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि कार की टक्कर से एक कांवड़ियां घायल हुआ है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। कार में 7 युवक सवार थे। जिनमें मौके से दो भाग गए, जबकि 5 का इलाज करवाया है। इनके परिजन मथुरा से अलीगढ़ आ गए।

ईएमओ डॉक्टर गजेश प्रजापति ने बताया कि सासनी गेट से रविवार देर रात्रि 6 घायल अस्पताल आये थे। इनमें तीन को मेडिकल रेफर किया। इनमें दाताराम की हालत नाजुक थी। वहीं, पुलिस ने तीन घायलों का मेडिकल परीक्षण करवाया है। इनको प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस अपने साथ ले गई।

व्यापारी को मारी गोली, आरोपियों ने कई राउंड फायरिंग की

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

बदमाशों ने बिल्डिंग मटेरियल कारोबारी को दिनदहाड़े गोली मार दी, उसके बाद बाइक से भाग गए। कारोबारी को घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया, वहां पर उसका इलाज चल रहा है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची व लोगों से घटना की जानकारी ली। उसके बाद छानबीन में जुट गई। घटना सोमवार दोपहर को सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की है।

सीओ सर्वम सिंह के अनुसार लाडले खां सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। वह बिल्डिंग मटैरियल का काम करते हैं। सोमवार को करीब दो बजे वह बच्चे को स्कूल लेने जा रहे थे। वह जैसे ही एडीएम कंपाउंड के पीछे से निकले।

इसी तभी बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। उसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। उनके सीने, पीठ और सिर के नजदीक तीन गोलियां लगी। गोली लगते

हुए वे लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गए। उन्हें गिरते देख बदमाश बाइक से भाग गए।

घटना की सूचना मिलने क्वार्सी और सिविल लाइंस थाने की फोर्स मौके पर पहुंची। थोड़ी देर बाद एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक, सीओ सर्वम सिंह भी पहुंचे। घायल को एम्बुलेंस से तुरंत जेएन मेडिकल कालेज भेजा गया। इसके बाद परिजन को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वारदात के बाद पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया। फारेंसिक टीम मौके पर साक्ष्य एकत्र कर रही है। घटना स्थल के आस पास बैरिकेडिंग लगा दी गई है। लोगों को वहां जाने से रोका जा रहा है।

घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी चेक किये जा रहे हैं। शुरुआती छानबीन में पता चला है कि आरोपी तीन से चार की संख्या में बाइक से आए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद वे भाग गए। वारदात को किसने और क्यों अंजाम दिया है इसका पता नहीं चल पाया है। इसका पता लगाया जा रहा है। सीओ सर्वम सिंह ने बताया कि घायल का अस्पताल में इलाज जारी है, अभी घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। सीसीटीवी चेक कराए जा रहे हैं। परिवार के लोगों से पूछताछ की जाएगी ताकि पता लगाया जा सके कि वारदात को किसने और क्यों अंजाम दिया है। आरोपियों की तलाश में नाकेबंदी की गई है। जल्दी ही आरोपी पुलिस की हिरासत में होंगे।

25 रन बनाते ही कप्तान शुभमन गिल रच देंगे नया इतिहास...

टूटेगा इस पाकिस्तानी दिग्गज का 19 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई (बुधवार) से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर टेस्ट मैच खेला जाना है. भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे हैं, ऐसे में ये मुकाबला उसके लिए करो या मरो का है. अगर भारत मैनचेस्टर टेस्ट हारता है या ड्रॉ करता है, तो सीरीज जीतने का मौका गंवा देगा. इस मुकाबले में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल पर सबकी निगाहें होंगी.

शुभमन गिल के पास बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका

शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में नया कीर्तिमान रचने के बेहद करीब हैं. यदि शुभमन मैनचेस्टर टेस्ट मैच में 25 रन बनाते हैं, तो वो 19 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देंगे. शुभमन 25 रन बनाते ही इंग्लैंड में किसी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बन जाएंगे. फिलहाल ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ के नाम दर्ज है. दाएं हाथ के बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने साल 2006 में इंग्लैंड में 4 मैचों की टेस्ट सीरीज में 90.14 की बेहतरीन औसत से 631 रन बनाए थे. अब शुभमन गिल के पास मोहम्मद यूसुफ को पछाड़ने का सुनहरा मौका है. शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में अब तक 3 मैचों में 607 रन बनाए हैं. इस दौरान उनका औसत 101.16 रहा और उन्होंने तीन शतक लगाए. भारतीय कप्तान का मौजूदा सीरीज में सर्वोच्च स्कोर 269 रन रहा है, जो उन्होंने बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में बनाया.

इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन (एशियाई बैटर)

मोहम्मद यूसुफ (पाकिस्तान) - 4 मैच, 631 रन, 2006

शुभमन गिल (भारत)- 3* मैच, 607 रन, 2025

राहुल द्रविड़ (भारत)- 4 मैच, 602 रन, 2002

विराट कोहली (भारत)- 5 मैच, 593 रन, 2018

सुनील गावस्कर (भारत)- 4 मैच, 542 रन, 1979

सलीम मलिक (पाकिस्तान)- 5 मैच, 488 रन, 1992

भारतीय टीम के पूर्व कोच ग्रेग चैपल ने शुभमन गिल को लेकर बड़ी बात कही है.

प्रोफेशनल बॉक्सिंगः

युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के उसिक बने हैवीवेट चैंपियन, डुबोइस को नॉकआउट कर जीता खिताब

लंदन, एजेंसी। डुबोइस को नॉकआउट कर 38 वर्षीय ओलेक्जेंडर उसिक दूसरी बार बने विश्व विजेता। उन्होंने अब तक 24 फाइट की हैं और सभी जीतीं भी हैं। युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के 38 वर्षीय पेशेवर मुक्केबाज ओलेक्जेंडर उसिक ने वेम्बली स्टेडियम में ब्रिटेन के डैनियल डुबोइस को पांचवें राउंड में नॉकआउट कर दोबारा निर्विवाद विश्व हैवीवेट चैंपियन का खिताब हासिल किया।

उसिक ने डुबोइस को एक जोरदार बाएं हुक से हराया, जिससे वह विश्व मुक्केबाजी संघ, परिषद और संगठन के बेल्ट्स बरकरार रखने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ बेल्ट भी वापस जीतने में सफल रहे। उसिक ने पिछले साल फ्यूरी को दो बार हराकर निर्विवाद हैवीवेट चैंपियन का खिताब जीता था।

मोहम्मद अली के रिकॉर्ड की बराबरीः उसिक अब दो बार खिताब जीतने वाले लीजेंड मोहम्मद अली और फ्लोएड पैटरसन के बाद तीसरे खिलाड़ी बन गए। उसिक ने कहा, मैंने साढ़े तीन महीने तैयारी की और इस दौरान परिवार और अपनी पत्नी को नहीं देखा।

निशांत की लगातार तीसरी जीतः भारतीय पेशेवर मुक्केबाज निशांत देव ने अमेरिकी मुक्केबाज लक्वान इवांस को हराया। 24 वर्षीय निशांत ने मुकाबले के छठे राउंड में 1:58 मिनट पर टेक्निकल नॉकआउट से जीत हासिल की।

नुवान कुलशेखरा छोटे से शहर से निकला वो गेंदबाज, जिसने विश्व क्रिकेट में जमाई धाक

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के एक छोटे से शहर, निट्टंबुवा में 22 जुलाई 1982 को जन्मे नुवान कुलशेखरा ने 21 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मैच में डेब्यू किया। दुबले-पतले नुवान कुलेशखरा ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में 9 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें महज 19 रन देकर 2 शिकार किए। नुवान कुलशेखरा अपने डेब्यू वनडे मैच में ही छाप छोड़ चुके थे, लेकिन टेस्ट फॉर्मेट के लिए उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ गया। नुवान ने अप्रैल 2005 में पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेला। साल 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 133 गेंदों में 63 रन की पारी खेली। यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अप्रैल 2008 से 12 महीनों के भीतर 29 मैचों में 20.97 की औसत से 47 विकेट लिए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 28 और इकॉनमी रेट 4.45 रहा। लंबे रन-अप के साथ गेंदबाजी करने वाले कुलशेखरा गेंद को स्विंग कराने में उस्ताद थे। साल 2009 में वह गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए।

चामिंडा वास के संन्यास के बाद कुलशेखरा को वनडे फॉर्मेट में भरपूर मौका मिला। इस बीच लसिथ मलिंगा का प्रदर्शन भी खराब था। ऐसे में कुलशेखरा टीम के अहम गेंदबाज बन गए। कुलशेखरा साल 2009 की प्रतिष्ठित आईसीसी विश्व वनडे टीम में शामिल हुए। कुलशेखरा ने वनडे वर्ल्ड कप-2011 के फाइनल में महेला जयवर्धने के साथ 66 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 274 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन टीम को खिताब जीतने का मौका नहीं मिला। इसी साल चेन्नई सुपर किंग्स ने कुलशेखरा को 6.5 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा। इसके बाद कुलशेखरा ने चैंपियंस ट्रॉफी-2013 में अपनी चमक बिखेरी, लेकिन बढ़ती उम्र के साथ-साथ नुवान कुलशेखरा की गति अब पहले जैसी नहीं रही थी। वहीं, साल 2016 में उनकी कार से एक शख्स की मौत हो गई, जिसके बाद उन्हें कुछ वक्त के लिए पुलिस हिरासत में रहना पड़ा था। हालांकि, बाद में कुलशेखरा को जमानत पर रिहा कर दिया गया। इसके बाद कुलशेखरा ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में वापसी की, लेकिन साल 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया।

ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी इंग्लैंड दौरे से बाहर

● प्रैक्टिस के समय घुटने में चोट लगी, अर्शदीप चौथा टेस्ट नहीं खेलेंगे, अंशुल कंबोज को मौका

मैनचेस्टर, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। रविवार को प्रैक्टिस सेशन के समय नीतीश को घुटने में चोट लगी थी। सोमवार को मीडिया रिलीज में बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी पूरी टेस्ट सीरीज से और लेफ्ट आर्म पेसर अर्शदीप सिंह मैनचेस्टर टेस्ट से बाहर हो गए हैं। अर्शदीप सिंह को बेकेनहम में नेट प्रैक्टिस के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में चोट लगी थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी हालत पर नजर रखे हुए है। अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। वह मैनचेस्टर में टीम के साथ जुड़ चुके हैं। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से शुरू होगा। इससे पहले खबर आई थी कि तेज गेंदबाज आकाश दीप भी चोट के कारण चौथे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। चौथा टेस्ट 23 से 27 जुलाई तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाएगा।

फिडे विमेन वर्ल्ड कपः

कोनेरु हंपी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला

बटुमी, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी ने जॉर्जिया के बटुमी में खेले जा रहे फिडे विमेन वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। वह यहां तक का सफर तय करने वाली पहली भारतीय महिला चेस खिलाड़ी हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीन की सॉन्ग युक्सिन को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

हम्पी ने रविवार को क्वार्टर फाइनल के खेले गए दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी को ड्रॉ पर रोका। इससे पहले उन्होंने शनिवार रात बटुमी में दो गेमों की क्वार्टर फ़ाइनल सीरीज का पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल कर ली थी। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, हरिका द्रोणावल्ली और उभरती हुई स्टार दिव्या देशमुख के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। हालांकि, इनमें से एक का सेमीफाइनल में जाने पर फैसला सोमवार को खेले जाने वाले दूसरे गेम के बाद होगा। इससे पहले हम्पी ने स्विट्जरलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को टाईब्रेक्स में 1.5-0.5 से हरा कर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था। पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची इस टूर्नामेंट में पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची। कोनेरू हंपी के अलावा हरिका द्रोणवल्ली, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने क्वार्टरफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

वैशाली को मिली हार वैशाली रमेशबाबू को चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त तान झोंगयी से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इस टूर्नामेंट में उनका अभियान समाप्त हो गया। वैशाली ने कजाकिस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।

अरोनियन ने जीता फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम खिताब, सातवें स्थान पर प्रज्ञानानंद

लास वेगास, एजेंसी। लेवोन अरोनियन ने फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हांस नीमन को 1.5-0.5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। 42 वर्षीय अरोनियन ने पिछले सप्ताह मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा को शिकस्त दी थी।

लास वेगास के विंन होटल में फाइनल की पहली बाजी ड्रॉ रही, लेकिन दूसरी बाजी में शानदार जीत दर्ज करते हुए उन्होंने खिताब और दो लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि अपने नाम की। दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने हिकारू नाकामुरा को 1.5-0.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्हें 1,60,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने फाबियानो कारुआना को 2-0 से हराकर पांचवां स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रज्ञानानंद रमेशबाबू ने वेसली सो को 1.5-0.5 से हराकर सातवां स्थान हासिल किया।

लेवोन अरोनियन ने खिताब जीतने के बाद कहा, यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैं इस अवसर के लिए बेहद खुश और आभारी हूं। हांस नीमन अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के करीब पहुंच गए थे, लेकिन उन्हें उपविजेता रहते हुए 1,40,000 अमेरिकी डॉलर के साथ संतोष करना पड़ा। वर्ल्ड नंबर 1 कार्लसन ने हिकारू नाकामुरा को 1.5-5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पहले गेम में बराबरी के बाद, कार्लसन ने दूसरे गेम में दबाव बनाया और बढ़त को भुनाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। फ्रीस्टाइल शतरंज की रिपोर्ट के अनुसार, लास वेगास में खिताबी मुकाबले से चूकने के बावजूद, इस नतीजे के साथ कार्लसन ग्रैंड स्लैम टूर की ओवरऑल स्टैंडिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं।

फाबियानो कारुआना पिछले दिन की तुलना में अधिक उत्साह से भरे नजर आ रहे थे। उन्होंने भारत के अर्जुन एरिगैसी को दो बार हराया और टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। प्रज्ञानानंद ने वेसली सो के खिलाफ दो गेम की जीत के साथ टूर्नामेंट में सातवां स्थान हासिल किया। उनकी निर्णायक जीत दूसरी बाजी में आई। भले ही प्रज्ञानानंद ने साल की शुरुआत में तीन टूर्नामेंट जीतकर शानदार खेल दिखाया, लेकिन इस टूर्नामेंट में अपनी फाइनल पोजिशन (सातवां स्थान) से वह पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे।

क्रिकेट की दुनिया में हुई 2 नई टीमों की एंट्री, ICC ने कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। 20 जुलाई 2025 को सिंगापुर में आयोजित इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की एनुअल मीटिंग के बाद क्रिकेट की दुनिया के लिए एक ऐतिहासिक खबर सामने आई. आईसीसी ने 2 नई टीमों को एसोसिएट सदस्य के रूप में शामिल किया गया है.

इस फैसले के साथ आईसीसी के कुल सदस्यों की संख्या अब 110 हो गई है. यह कदम क्रिकेट को ग्लोबल लेवल पर और ज्यादा लोकप्रिय बनाने और नए क्षेत्रों में इसके विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.तिमोर और जाम्बिया आईसीसी के नए सदस्य बन गए हैं , बोर्ड ने प्रेस रिलीज करके इसका ऐलान किया. तिमोर-लेस्ते क्रिकेट फेडरेशन और जाम्बिया क्रिकेट यूनियन को औपचारिक रूप से आईसीसी के एसोसिएट सदस्य के रूप में शामिल किया गया है. आईसीसी ने कहा, 'दो नए सदस्य आईसीसी परिवार में शामिल हुए हैं, जिससे कुल सदस्यों की संख्या 110 हो गई, जिसमें तिमोर-लेस्ते क्रिकेट फेडरेशन और जाम्बिया क्रिकेट यूनियन औपचारिक रूप से आईसीसी एसोसिएट सदस्य बन गए हैं.' बता दें, जाम्बिया आईसीसी में शामिल होने वाला 22वां अफ्रीकी देश बन गया है. दूसरी ओर तिमोर-लेस्ते अब पूर्वी एशिया प्रशांत क्षेत्र का 10वां सहयोगी सदस्य है, और 22 साल पहले 2003 में फिलीपींस के शामिल होने के बाद यह पहला देश है. तिमोर-लेस्ते में क्रिकेट की शुरुआत हाल के सालों में हुई है, और यह खेल वहां के युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. ऐसे में अब तिमोर-लेस्ते को बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलेगा.

जाम्बिया की हुई वापसी

जाम्बिया क्रिकेट यूनियन की आईसीसी में वापसी एक प्रेरणादायक कहानी है. जाम्बिया को 2003 में आईसीसी की एसोसिएट सदस्यता मिली थी, लेकिन 2019 में गवर्नेंस और अनुपालन संबंधी मुद्दों के कारण इसकी सदस्यता रद्द कर दी गई थी. 2021 में जाम्बिया को आईसीसी से निष्कासित कर दिया गया था, लेकिन अब चार साल बाद, जाम्बिया ने अपनी प्रशासनिक और संगठनात्मक कमियों को दूर करते हुए फिर से एसोसिएट सदस्यता हासिल की है। यह जाम्बिया के लिए क्रिकेट के क्षेत्र में एक नई शुरुआत है.

आंद्रे अगासी के साथ तीन दिन का ट्रेनिंग सेशन, होल्गर रूने को मिले टिप्स

वाशिंगटन, एजेंसी । दुनिया के नंबर 8 टेनिस खिलाड़ी होल्गर रूने ने डीसी ओपन से पहले वॉशिंगटन डीसी में आंद्रे अगासी के साथ तीन दिन का ट्रेनिंग सेशन किया, जिसमें उन्हें जरूरी सलाह मिली। इस ट्रेनिंग के बाद रूने खुद को और मजबूत महसूस कर रहे हैं। अमेरिकी समर हार्ड-कोर्ट सीजन की तैयारी के लिए बढ़त हासिल करने की चाहत रखते वाले होल्गर रूने ने दो बार के यूएस ओपन चैंपियन अगासी से मदद मांगी, ताकि वह अपने खेल को बेहतर बना सकें।

ट्रेनिंग उसी जगह हुई, जहां अगासी ने अपने करियर के 60 में से पांच खिताब जीते थे। रूने ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा यह एक शानदार अनुभव था। हम काफी समय से संपर्क में थे। वॉशिंगटन में हमने कुछ दिन साथ में बिताए, जहां उन्होंने मुझे कुछ चीजों में मदद की। यह मेरे लिए वाकई खुशी की बात थी। वह बेहद समझदार इंसान हैं। मैंने आज तक ऐसा कोई नहीं देखा, जो खेल को उनके नजरिए से देखता हो। उनका खुद का रिटर्न गेम शानदार था। मेरा भी रिटर्न अच्छा है। उन्होंने वहां कुछ टिप्स दिए, सलाह भी दी। उन्होंने कहा, बहुत ही कम समय की मुलाकात में उन्होंने बताया कि वह मुझे भविष्य में कहां देखते हैं, अभी कहां देखते हैं। जाहिर है कि मुझे अभी बहुत कुछ सुधारना है। उन्होंने मेरे कोच लार्स के साथ मिलकर मेरा ध्यान सही चीजों पर फोकस करने में मदद की। उनके साथ वक्त बिताना वाकई बहुत अच्छा रहा।

WCL 2025 में भारत के पाकिस्तान से खेलने से इनकार करने पर फड़फड़ा उठे शाहिद अफरीदी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत में कई बार ऐसे मौके आते हैं जब मैदान के बाहर की घटनाएं सुर्खियों बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही मामला हाल ही में सामने आया है जब भारत के पूर्व ओपनर शिखर धवन और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के बीच सोशल मीडिया पर तीखी तकरार देखने को मिली। बात सिर्फ शब्दों की नहीं, बल्कि देशभक्ति, सेना और पुरानी दुश्मनी की भावनाओं से जुड़ गई।

अफरीदी ने पहलगाम आतंकी हमले पर की थी विवादित टिप्पणीः विवाद की शुरुआत तब हुई जब शाहिद अफरीदी ने पहलगाम आतंकी हमले पर टिप्पणी करते हुए भारतीय सेना पर सवाल उठाए। अफरीदी ने कहा, 'आपकी 8 लाख की फौज कुछ नहीं कर पाई। तुम्हारे देश में हर समय आतंकवाद होता है।' यह बात कई भारतीयों को खटकी, लेकिन सबसे सटीक जवाब शिखर धवन ने दिया। शिखर धवन ने अफरीदी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'कारगिल में भी तुम्हें हराया था, तुम्हारी हालत पहले से ही खराब है और कितना नीचे गिरोगे? हमें अपनी सेना पर गर्व है। भारत माता की जय।' शाहिद अफरीदी ने इस पर तंज कसते हुए शिखर धवन को 'चाय' ऑफर की। शाहिद अफरीदी ने ङ्क (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'छोड़ो जीत-हार को, आओ तुम्हें चाय पिलाता हूं शिखर।' यह टिप्पणी विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान के 2019 में पकड़े जाने के बाद पाकिस्तान द्वारा 'चाय पिलाने' की घटना की ओर इशारा करती है, जिसे भारत में अपमानजनक माना गया था। विवाद यही नहीं रुका। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में रविवार 20 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मैच रद्द कर दिया गया।

भारत के कई खिलाड़ियों ने कथित तौर पर इस प्रदर्शनी मैच से हटने का फैसला संवेदनशील कूटनीतिक मौकों पर, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के खिलाफ शाहिद अफरीदी की पिछली टिप्पणियों का हवाला देते हुए किया। शाहिद अफरीदी ने मैच वाले दिन मीडिया से बात करते हुए भारत के न फड़फड़ा उठे। शाहिद अफरीदी ने सीधे तौर पर शिखर धवन को इस फैसले के लिए दोषी ठहराया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान के अनुसार, शाहिद अफरीदी की मौजूदगी में शिखर धवन के खेलने से खुले तौर पर इनकार करने से भारतीय खेमे में भारी उथल-पुथल मच गई। शाहिद अफरीदी ने स्थानीय पत्रकारों से कहा, 'खेल देशों को करीब लाता है। अगर हर चीज के बीच में राजनीति आ गई तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे? लेकिन आप जानते हैं कि हमेशा एक सड़ा हुआ अंडा होता है, जो सब कुछ खराब कर देता है।' शाहिद अफरीदी ने शुरुआत में शिखर धवन का नाम लिए बिना निशाना साधा और बाद में भारतीय दिग्गज को ही इस विवाद का कारण बता डाला। शाहिद अफरीदी ने शिखर धवन को 'अड़चन डालने वाला' करार दिया। शाहिद अफरीदी ने सुझाव दिया कि पूरी भारतीय टीम को आखिरी समय में हटने के बजाय भारत में ही रहना चाहिए था। अफरीदी ने कहा, 'उन्होंने मैच से एक दिन पहले अभ्यास किया था। मुझे लगता है कि उन्होंने सिर्फ एक खिलाड़ी की से मैच से हटने का फैसला किया। भारतीय टीम भी बहुत निराश है। वे यहां खेलने आए थे। आपको देश के लिए एक अच्छा राजदूत बनना चाहिए, न कि शर्मिंदगी।'

अफरीदी के बदलते सुरः दिलचस्प यह है कि शाहिद अफरीदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खुद को एक शांतिप्रिय क्रिकेट दूत के रूप में पेश किया। अफरीदी ने कहा, 'मैं यहां क्रिकेट खेलने आया हूं, राजनीति करने नहीं। अगर वह मेरी वजह से खेलना नहीं चाहते, तो मैं घर पर ही रहता। क्रिकेट चलता रहना चाहिए था।

अफरीदी का यह बयान अप्रैल 2025 में उस विवादास्पद बयान के विपरीत था, जिसमें पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने भारत सरकार पर पाकिस्तान को बदनाम करने के लिए पहलगाम में अपने ही नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया था।

सोशल मीडिया पर मचा था बवाल

एजबेस्टन में भारत बनाम पाकिस्तान मैच का रद्द होना सिर्फ टीम के आंतरिक फैसलों पर आधारित नहीं था। मैच की घोषणा के बाद भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जबरदस्त हंगामा मच गया। कई लोगों ने सीमा पर तनाव के बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर्स से जुड़े मैच में पूर्व भारतीय खिलाड़ियों के खेलने की नैतिकता पर सवाल उठाए। इस साल की शुरुआत में भारत द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए जाने के बाद से दोनों देशों के बीच यह पहला क्रिकेट मैच था, जिसने कूटनीतिक दुश्मनी को और बढ़ा दिया था।